दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

बलरामपुर
रविवार, 11 जनवरी 2026
वर्षः 05 अंक : 99 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/- रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

ओ रोमियो का फर्स्ट लुक आया ..8

प्रयागराज पहुंचे सीएम योगी, त्रिवेणी संगम में लगाई आस्था की डुबकी, माघ मेले की समीक्षा की

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में चल रहे माघ मेले की समीक्षा के लिए अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में तीर्थयात्रियों को डिजिटल मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए माघ मेला सेवा ऐप का भी उद्घाटन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री शनिवार को माघ मेले की तैयारियों की समीक्षा के लिए प्रयागराज पहुंचे। उनकी यात्रा आध्यात्मिक गतिविधियों से भी भरी रही, क्योंकि उन्होंने त्रिवेणी संगम में स्नान किया। योगी आदित्यनाथ ने लेते हनुमान जी मंदिर में भी पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर में गायों को चारा खिलाया। योगी आदित्यनाथ ने रामानंदाचार्य की 726वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भी भाग लिया, जहां उन्होंने सभी समुदायों के बीच एकता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 700 वर्ष पूर्व, जगद्गुरु रामानंदाचार्य भगवान ने सभी

समुदायों में एकता का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि प्रत्येक व्यक्ति को ईश्वर की शरण लेने का अधिकार है। उन्होंने समाज को एकजुट करने के लिए विभिन्न जातियों के शिष्यों को अपने साथ लिया। प्रयागपुर (उत्तर प्रदेश) का माघ मेला, जो पवित्र त्रिवेणी संगम पर आयोजित होता है, जहां गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों का संगम होता है, भारत के सबसे बड़े तीर्थयात्राओं में से एक है। इस तीर्थयात्रा का नाम हिंदू महीने माघ के नाम पर रखा गया है, जो आमतौर पर जनवरी-फरवरी में पड़ता है। प्रयाग माघ मेला 45 दिनों की तीर्थयात्रा है जो पौष पूर्णिमा (पौष महीने की पूर्णिमा) से शुरू होकर महाशिवरात्रि पर समाप्त होती है, और पूरे माघ महीने को कवर करती है। पौष माह की पूर्णिमा के दिन स्नान (पवित्र स्नान) के साथ मेले का शुभारंभ होता है। मेले के दौरान कुल छह स्नान होते हैं, जैसे पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति (माघ माह का प्रारंभ), शत्तिला एकादशी (माघ माह में कृष्ण पक्ष), मौनी अमावस्या (माघ माह की अमावस्या जब लोग मौन व्रत लेते हैं), बसंत पंचमी (माघ शुक्ल पंचमी, माघ माह में चंद्रमा के बढ़ते चरण का पांचवा दिन), अचल सप्तमी (माघ माह में चंद्रमा के बढ़ते चरण का सातवां दिन, जिसे भगवान सूर्य के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है), जय एकादशी (माघ माह में चंद्रमा के बढ़ते चरण के ग्यारहवें दिन रखा जाने वाला उपवास) और माघ पूर्णिमा (माघ माह की पूर्णिमा)।

हाइपरसोनिक मिसाइलों से अब ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक तेज होगा प्रहार

स्क्रैमजेट इंजन का हुआ सफल परीक्षण

नई दिल्ली। हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलों से आने वाले समय में अब दुश्मन पर ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक तेज गति से प्रहार संभव हो पाएगा। हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशाला – रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) ने हाइपरसोनिक मिसाइलों के विकास में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है।

डीआरडीएल ने 9 जनवरी, 2026 को अपनी अत्याधुनिक स्क्रैमजेट कनेक्ट पाइप टेस्ट (एससीपीटी) केंद्र में अपने एक्टिवली कूल्ड स्क्रैमजेट फुल स्केल कंबस्टर का सफलतापूर्वक एक व्यापक दीर्घकालिक जमीनी परीक्षण किया, जिसमें 12 मिनट से अधिक का रन टाइम हासिल किया गया। रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, यह महत्वपूर्ण उपलब्धि 25 अप्रैल, 2025 को किए गए पूर्व लघु परीक्षण पर आधारित है, जो लंबी अवधि का परीक्षण था। यह हाइपरसोनिक मिसाइलों के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंबस्टर और परीक्षण केंद्र का डिजाइन और विकास डीआरडीएल द्वारा किया गया और इसे उद्योग भागीदारों द्वारा साकार किया गया। बयान में कहा गया है कि इस सफल परीक्षण से भारत उन्नत एयरोस्पेस क्षमताओं में अग्रणी स्थान पर आ गया है।

6100 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से लंबे समय तक उड़ान भरने में सक्षमः हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक (6,100 किमीध्घंटे से अधिक) गति से लंबे समय तक उड़ान भरने में सक्षम है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि अत्याधुनिक एयर-ब्रीदिंग इंजन के माध्यम से हासिल की जाती है, जो लंबी अवधि की उड़ान को बनाए रखने के लिए सुपरसोनिक कंबशन का उपयोग करता है। एससीपीटी केंद्र में किए गए जमीनी परीक्षणों ने उन्नत स्क्रैमजेट कंबस्टर के डिजाइन के साथ-साथ अत्याधुनिक परीक्षण केंद्र की क्षमताओं को सफलतापूर्वक मान्य किया है।

अयोध्या राम मंदिर की सुरक्षा में सेंध! नमाज की कोशिश, पकड़े जाने पर लगाए नारे, 3 हिरासत में

अयोध्या में राम जन्मभूमि परिसर में प्रवेश करने और शनिवार को नमाज अदा करने का प्रयास करने के बाद एक चौंकाने वाली घटना और कथित तौर पर सुरक्षा में बड़ी चूक में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें एक युवती भी शामिल थी। इस घटना के बाद परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कश्मीर निवासी होने का दावा करने वाले दो युवकों और एक महिला के इस समूह ने डी1 गेट से राम मंदिर परिसर में प्रवेश किया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने कश्मीरी पोशाक पहनी हुई थी। उनमें से एक की पहचान जम्मू-कश्मीर के शोपियन जिले के निवासी अबू अहमद शेख के रूप में हुई है। महिला की पहचान सोफिया के रूप में हुई है, जबकि तीसरे युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों द्वारा रोके जाने पर तीनों ने कथित तौर पर धार्मिक नारे लगाए। अधिकारियों के अनुसार, 55 वर्षीय व्यक्ति शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा वाले मंदिर परिसर में दाखिल हुआ, मंदिर के दर्शन किए और बाद में सीता रसोई क्षेत्र के पास बैठ गया, जहां वह कथित तौर पर नमाज पढ़ने की तैयारी कर रहा था। उसकी हरकतों को देखते ही सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया। मंदिर के सुरक्षा कर्मचारियों ने उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया और बाद में पूछताछ के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। सुरक्षाकर्मियों के हस्तक्षेप के दौरान, शेख ने कथित तौर पर नारे लगाए। पुलिस ने बताया कि जांच और खुफिया एजेंसियां घ्उस व्यक्ति से पूछताछ कर रही हैं ताकि उसके मकसद का पता लगाया जा सके।

भाजपा, उसके सहयोगी असम की तीनों राज्यसभा सीट पर चुनाव लड़ेंगेः हिमंत

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दल असम में इस साल अप्रैल में रिक्त होने जा रही राज्यसभा की तीनों सीट पर चुनाव लड़ेंगे। शर्मा ने दावा किया कि दो सीट पर उनके उम्मीदवारों की जीत पक्की है, जबकि तीसरी सीट भी उनके खाते में जा सकती है। भाजपा के दो सांसद, भुवनेश्वर कलिता और रामेश्वर तेली तथा एक निर्दलीय सांसद अजीत भुयान का कार्यकाल अप्रैल में पूरा होने जा रहा है। शर्मा ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, "भाजपा, अगप (असम गण परिषद) और हमारा संयुक्त मोर्चा तीनों सीट पर उम्मीदवार उतारेगा। हम दो सीट पर निश्चित रूप से जीतेंगे। तीसरी सीट पर हम जीत भी सकते हैं और हार भी सकते हैं।" मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बार भाजपा और उसके सहयोगियों ने भुयान के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारा था क्योंकि उन्हें लगता था कि वह "निष्पक्ष हैं और लोगों के कल्याण के लिए काम करेंगे।" उन्होंने भुयान के सांसद निधि के कथित दुरुपयोग से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों का भी उल्लेख करते हुए कहा, "उन्होंने राज्यसभा सांसद की निधि का क्या किया, यह हम सभी जानते हैं।" वर्तमान विधानसभा में भाजपा के पास 64 विधायक हैं, जबकि उसके सहयोगी अगप, यूनाइटेड पीपुल पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के पास क्रमशः नौ, सात और तीन विधायक हैं। विपक्ष में कांग्रेस के 26, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के 15 और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एक विधायक हैं। सदन में एक निर्दलीय विधायक भी हैं।

1.5 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध शराब जब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

राजस्थान के दौसा जिले में पुलिस ने अवैध शराब का बड़ा जखीरा बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार पकड़ी गई शराब की कीमत 1.5 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम एन के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। एजीटीएफ और दौसा सदर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक संदिग्ध ट्रक की तलाशी में शराब का यह जखीरा बरामद किया गया। इस ट्रक में 415 चावल के कट्टे लदे थे और नीचे पंजाब मार्का शराब छिपाई हुई थी। तलाशी में रॉयल चौलेंज, रॉयल स्टैग और मैकडॉवेल्स जैसे ब्रांड की शराब की 1071 पेटी कार्टन बरामद हुई। इस संबंध में बाड़मेर निवासी दिनेश जाट को गिरफ्तार किया गया है। ट्रक व 60 हजार रुपये की नकदी जब्त की गई है। पुलिस ने बताया कि यह अवैध शराब हरियाणा के सिरसा से गुजरात ले जाई जा रही थी।

यूपी मतदाता सूची पर अखिलेश यादव का बड़ा आरोप

पीडीए वोट काटने की साजिश, ईसी की विश्वसनीयता दांव पर

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत ष्पीडीएष (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्याक) वर्गों के वोट मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग पर केंद्र सरकार के पक्ष में वोट जोड़ने में मदद करने का आरोप लगाया। लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, यादव ने चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि एक ही जिले से लगभग तीन लाख मतदाताओं के वोट हटाए जा चुके हैं और आगे भी हटाए जाने की संभावना है। अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा कि अब तक एक जिले से तीन लाख वोट हटाए जा चुके हैं और आगे भी और वोट हटाए जाएंगे। इससे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठते हैं। राज्य चुनाव आयोग और भारत सरकार द्वारा की गई प्रक्रिया के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि पीडीए वोटों को हटाने और अपने वोट जोड़ने की कोई साजिश चल रही है। उन्होंने बताया कि एसआईआर ऍ(प्) अभ्यास पूरे उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर किया गया और इसमें कई विभागों के अधिकारी शामिल थे। यादव ने आगे कहा कि किसी भी राजनीतिक दल ने इस अभ्यास का विरोध नहीं किया और सभी दलों ने अपने बूथ स्तरीय एजेंट नियुक्त किए। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एसआईआर अभ्यास किया गया जिसमें कई विभागों के अधिकारी शामिल थे। यूपी में एसआईआर बड़े पैमाने पर किया गया और किसी भी राजनीतिक दल ने इसका विरोध नहीं कियाय सभी ने अपने **BLA** तैयार किए। मतदाता सूची के मसौदा प्रकाशन का जिक्र करते हुए यादव ने कहा कि आशंका है कि लगभग तीन करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि मसौदा सूची जारी होने से पहले ही, जब कोई आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं थे, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा था कि चार करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे, यह कहते हुए कि वे भाजपा के थे। उन्होंने कहा कि हालांकि, अब मतदाता सूची जारी हो चुकी है और आशंका थी कि लगभग 3 करोड़ (30 मिलियन) मतदाताओं के नाम हटा दिए जाएंगे। हमें डर था कि 3 करोड़ मतदाता हटा दिए जाएंगे, लेकिन सूची जारी होने से पहले ही – जब किसी को कोई जानकारी नहीं थी – उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि 4 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे और ये सभी मतदाता भाजपा के हैं।

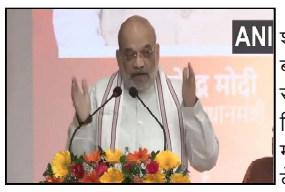

अमित शाह ने दिया आत्मनिर्भर भारत का फार्मूला, हर समुदाय आत्मनिर्भर होगा तो देश भी होगा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बड़े पैमाने पर आयोजित सामुदायिक सभाएं देश को विभाजित करने के बजाय उसे मजबूत बनाती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आत्मनिर्भर समाज ही आत्मनिर्भर भारत की नींव रखता है। शाह जोधपुर में आयोजित माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन एंड एक्सपो को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत का सामाजिक ताना-बाना और मजबूत सामुदायिक संरचनाएं राष्ट्रीय एकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक समुदाय अपने सबसे कमजोर सदस्यों के कल्याण और सुरक्षा की जिम्मेदारी ले, तो इससे पूरे देश का भला होगा। अमित शाह ने कहा कि जब भी सामाजिक समारोह या सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, तो कुछ तथाकथित प्रगतिशील लोग उनमें शामिल होने वालों की आलोचना करते हैं।

इंडियावन एयर का विमान क्रैस

पायलट समेत 8 घायल, जांच के आदेश

शनिवार को ओडिशा के राउरकेला हवाई पट्टी के पास जगदा ब्लॉक में छह यात्रियों को ले जा रहा नौ सीटों वाला विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, विमान भुवनेश्वर के लिए उड़ान भरने की कोशिश के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। राउरकेला से इंडियावन एयर की उड़ान संचालित कर रहे इस विमान में उड़ान भरने के कुछ ही क्षण बाद खराबी आ गई और यह हवाई पट्टी के पास गिर गया। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना के समय चार्ली-208 विमान में दो पायलट सवार थे। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, हालांकि यात्रियों और पायलटों को चोटें आई हैं।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन दल घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। चालक दल के सभी सदस्य और यात्री खतरे से बाहर बताए गए। राउरकेला और पनपोश अग्निशमन केंद्रों से भी दमकल कर्मियों को बचाव कार्य में सहायता के लिए बुलाया गया। घायल पायलटों की पहचान कैप्टन नवीन कडांगा और सह-पायलट तरुण श्रीवास्तव के रूप में हुई है। घायल यात्रियों में सुशांत कुमार बिवाल, अनीता साहू, सुनील अग्रवाल और सबिता अग्रवाल शामिल हैं। विमान राउरकेला से लगभग 10 किलोमीटर दूर जलदा में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इसके मद्देनजर, प्रशासन और संबंधित एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और स्थानीय अधिकारियों ने सुरक्षा उपाय और सहायता व्यवस्थाएं लागू कर दी हैं।

एसआईटी रिपोर्ट का बड़ा खुलासा

फडणवीस- शिंदे को फंसाने की थी साजिश, एमवीए सरकार पर उठे सवाल!

मुंबई। विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को झूठे मामले में फंसाने की एक गंभीर साजिश का खुलासा हुआ है। यह मामला ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में 2016 में दर्ज एक घटना से संबंधित है। एसआईटी की रिपोर्ट में पूर्व पुलिस महानिदेशक संजय पांडे, पूर्व उपायुक्त लक्ष्मीकांत पाटिल और सहायक आयुक्त सरदार पाटिल के खिलाफ नेताओं को झूठे मामले में फंसाने की साजिश रचने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज करने की सिफारिश की गई है। यह रिपोर्ट पूर्व डीजीपी रश्मी शुक्ला ने अपनी सेवानिवृत्ति से ठीक पांच दिन पहले अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को सौंपी थी। रिपोर्ट के अनुसार, देवेंद्र फडणवीस को फंसाने के प्रयास महा विकास अघाड़ी सरकार के कार्यकाल में तेज हो गए थे, और संजय पांडे के मुंबई पुलिस आयुक्त और बाद में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बनने के बाद इन प्रयासों को और भी गति मिली। इस बीच, मुंबई, पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ सहित महाराष्ट्र भर में 29 नगर निगम चुनावों के लिए मतदान 15 जनवरी को होगा और मतगणना 16 जनवरी को निर्धारित है। एक दिन पहले, शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने पुणे नगर निगम चुनावों से पहले पुणे में प्रचार किया और दावा किया कि महायुति गठबंधन विकास के मुद्दों पर चुनाव लड़ रहा है और मुंबई और पुणे दोनों में विजयी होगा। कटराज दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि उन्हें किसी भी पार्टी कार्यकर्ता द्वारा दिए गए बयानों की जानकारी नहीं है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी पूरी ताकत से चुनाव लड़ रही हैं।

विकास खण्ड रुधौली के ग्राम पंचायत जिगिना मे मनरेगा, 29 मनरेगा मजदूरों कि फर्जी हाजरी लगाकर कराया जा रहा हैं भुगतान

दैनिक बुद्ध का संदेश

रुधौली। बस्ती के विकास खण्ड रुधौली अंतर्गत ग्राम पंचायत जिगिना में मनरेगा योजना के तहत बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। आरोप है कि जिगिना पंचायत भवन से साधु की कुटी तक चक मार्ग निर्माण कार्य में नियमों को ताक पर रखकर 29 मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाकर भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मनरेगा के अंतर्गत एक मजदूर की दैनिक मजदूरी 252 रुपये निर्धारित है। इस प्रकार 15 दिनों की मजदूरी 3,780 रुपये प्रति मजदूर होती है। आरोप है कि इस कार्य में 29 मजदूरों की फर्जी उपस्थिति दर्शाकर कुल 1,09,620 रुपये की धनराशि का भुगतान किया

गया। संबंधित कार्य का एमबी (मस्टर बुक) तैयार कर मस्टर रोल भी जमा कर दिया गया है। ग्राम पंचायत जिगिना के अमित चौरसिया, विनय चौधरी, प्रेम चन्द्र चौरसिया, फूलचंद यादव, दीप गौड़, श्यामू, विजय वर्मा, आशीष चौधरी, नंदलाल चौधरी समेत अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि कार्य स्थल पर न तो निर्धारित संख्या में मजदूर मौजूद थे और न ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता अभिलेखों के अनुरूप है। इसके बावजूद भुगतान कर दिया गया, जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका गहराती जा रही है। ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।इस सम्बन्ध मे खण्ड विकास अधिकारी रुधौली योगेंद्र राम त्रिपाठी ने बताया कि मामला अभी संज्ञान मिला और जाँच करा उचित कार्यवाही कि जाएगी।

अष्टांग योग में 'तप' का महत्व: आत्मिक उन्नति और समाज कल्याण का मार्ग – डॉ नवीन सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। अष्टांग योग के नियम विभाग के अंतर्गत 'तप' की महत्ता पर योगाचार्य डॉ. नवीन सिंह ने

योग प्रेमियों को विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने महर्षि पतंजलि के सूत्र "तपः द्वंद्वो सहनम्" का उल्लेख करते हुए बताया कि जीवन में आने वाले द्वंद्वोंकृ सर्दी–गर्मी, भूख–प्यास, मान–अपमानकृको ईश्वर पर अटल विश्वास रखते हुए सहन करना ही तप है। डॉ. सिंह ने कहा कि तप का उद्देश्य केवल शारीरिक कष्ट सहना नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति और मोक्ष मार्ग और वह आत्मविकास की दिशा में आगे बढ़ता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि देश और समाज के कल्याण हेतु कठिनाइयों को सहन करना भी तप की श्रेणी में आता है। योगाचार्य ने बताया कि ज्ञान–विज्ञान, क्रिया–कौशल और पराक्रम–पुरुषार्थ अर्जित करने की प्रक्रिया में व्यक्ति अनेक कठिन परिस्थितियों से गुजरता है। यदि आगे चलकर वह इन अर्जित गुणों का उपयोग समाज और देश के सृजन, विकास एवं कल्याण में करता है, तो यह तप का श्रेष्ठ रूप कहलाता है। इसके विपरीत, यदि व्यक्ति इन साधनों का दुरुपयोग कर अपने या समाज के विनाश का कारण बनता है, तो उसे कृतघ्नता की श्रेणी में रखा जाता है। उन्होंने कहा कि ईश्वर द्वारा प्रदत्त सभी साधन जीव की उन्नति के लिए हैं। इनका सदुपयोग व्यक्ति को प्रशंसनीय बनाता है, जबकि दुरुपयोग उसे निंदनीय। तप के नियमित अनुष्ठान से व्यक्ति धीरे–धीरे दुखों से मुक्त होने लगता है, उसकी सहनशक्ति बढ़ती है और वह महापराक्रमी बनता है। साथ ही क्रोध और मनोभावनाओं पर नियंत्रण की शक्ति भी विकसित होती है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नवीन सिंह ने योग साधकों से निरंतर अभ्यास और संयम का आह्वान किया तथा बताया कि आगामी सत्र में अष्टांग योग के नियम विभाग के अंतर्गत 'स्वाध्याय' विषय पर चर्चा की जाएगी।

मुंडेरवा पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाला अभियुक्त किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मुंडेरवा पुलिस ने नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर बहला–फुसलाकर

भगा ले जाने के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मु0अ0सं0 03/2025 धारा 137(2), 87, 351(3) बीएनएस के तहत की गई। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त राज पुत्र स्व. कृष्णचन्द्र, निवासी ग्राम किठुरी थाना मुंडेरवा, को मुंडेरवा रेलवे स्टेशन के बाहर से शुक्रवार को लगभग 11 बजे गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरुद्ध 05 जनवरी को नाबालिग को बहला–फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के साथ उपनिरीक्षक मुरलीधर मिश्रा, हेड कांस्टेबल पुनित पाठक तथा कांस्टेबल कामोद कुशवाहा शामिल रहे। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा नेता विपिन कुमार तिवारी का जन्मदिन समारोह पूर्वक मनाया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विपिन कुमार तिवारी का जन्मदिन उनके

आवास पर समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, समर्थक एवं विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं मिठाई खिलाकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह और सौहार्द का माहौल बना रहा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नेता विपिन कुमार तिवारी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता का स्नेह और कार्यकर्ताओं का सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि पार्टी उन्हें अवसर देती है और जनता का आशीर्वाद मिलता है, तो वे विधानसभा क्षेत्र 310 बस्ती सदर की सूरत बदलने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से प्रयास करेंगे। विपिन कुमार तिवारी ने कहा कि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार से जोड़ना उनकी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा कि आज का युवा वर्ग ऊर्जा और क्षमता से भरपूर है, जरूरत है तो सिर्फ सही दिशा और अवसर देने की। उन्होंने आश्वासन दिया कि युवाओं के लिए रोजगार, स्वरोजगार और कौशल विकास से जुड़े ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा "सबका साथ, सबका विकास" के मूल मंत्र पर विश्वास करती है। पार्टी समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने और सभी के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने उनके दीर्घायु और उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

विश्व हिन्दी दिवस पर संगोष्ठी में विमर्श

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सेतु का काम कर रही है हिन्दी–डा. वी.के. वर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। रविवार को वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित शिविर कार्यालय पर विश्व हिन्दी दिवस मनाया गया। समिति के महामंत्री वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा के संयोजन में आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने विश्व हिन्दी दिवस के महत्व को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक, साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि हिंदी भाषा को सम्मान देने और उसे वैश्विक पहचान दिलाने के लिए हर साल विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। अक्सर लोग राष्ट्रीय हिंदी दिवस के बारे में जानते हैं, लेकिन विश्व हिंदी दिवस को लेकर अब भी कई लोगों में उत्सुकता रहती है। यह दिन खास तौर पर हिंदी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूती

देने का संदेश देता है। दरअसल, 10 जनवरी 1975 को नागपुर में पहला विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित हुआ था। इस सम्मेलन का उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था। कहा कि हिन्दी अब सिर्फ साहित्य या बातचीत तक सीमित नहीं, बल्कि तकनीक, कोडिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स में भी अपनी जगह बना रही है। वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि हिंदी केवल बोलने या लिखने की भाषा नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिससे देश के करोड़ों लोग खुद को जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। भारत में सैकड़ों भाषाएं और बोलियां हैं, लेकिन अगर सबसे ज्यादा बोली और समझी जाने वाली भाषा की बात करें, तो हिंदी सबसे आगे नजर आती है। खासकर उन देशों में, जहां बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं, वहां हिंदी एक सांस्कृतिक सेतु की तरह काम करती है। इस साल 2026 में विश्व हिंदी दिवस की थीम है– 'हिंदी पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक'। गोष्ठी को वरिष्ठ कवि डा. राम कृष्ण 'जगमग', बी.के. मिश्र, बटुक नाथ शुक्ल, रामदत्त जोशी, जगदम्बा प्रसाद 'भावुक' तौव्वाब अली, सुशील सिंह पथिक, पेशकार मिश्र आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि विश्व हिंदी दिवस को आधिकारिक रूप से मनाने की शुरुआत साल 2006 में हुई। तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इसके बाद से विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों और सांस्कृतिक केंद्रों में भी इस दिन विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाने लगे। गोष्ठी में मुख्य रूप से सामईन फारूकी, नेबूलाल, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, कृष्णचन्द्र पाण्डेय, अफजल हुसेन अफजल, गणेश प्रसाद, दीननाथ यादव आदि उपस्थित रहे।

सभासद व नगर पंचायत के पूर्व चपरासी के बीच हुई मार–पीट

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ में जमीन विवाद व उधारी मांगने को लेकर सभासद व नगर पंचायत के पूर्व चपरासी के बीच मार–पीट हुई। जिसको लेकर पुलिस ने दोनों पक्षों को गिरतार कर कुल 07 लोगों को शान्ति भंग में पाबन्द किया है। आपको बता दें कि घटना गुरुवार रात शोहरतगढ़ कस्बे में स्थित पुलिस पिकेट के पास की है। नगर पंचायत शोहरतगढ़ कस्बे में स्थित पुलिस बूथ के समीप गुरुवार रात दोनों पक्षों में रंजिश को लेकर कहा–सुनी होने लगी। मामला इतना बढ़ गया कि लात–घूंसों व डण्डा चलने लगा। एक पक्ष के सभासद अनूप कसौधन ने आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व चपरासी पंकज निगम उधार का पैसा मांगने लगा। मैंने कहा बाद में पैसा दे देंगे, इतने में वाद–विवाद होने लगा, मामला हाथापाई व मार–पीट में तब्दील हो गया। दूसरे पक्ष के सोनू निगम ने बताया कि नगर पंचायत शोहरतगढ़ के एक स्वर्णकार से जमीन विवाद में मुकदमा चल रहा है।

इसी रंजिश में 15 लोग मुझे और मेरे भाई को मारा–पीटा है। इस घटना की तस्वीर पुलिस पिकेट चौराहा पर स्थित एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि नगर पंचायत शोहरतगढ़ के 07 लोगों को शान्ति भंग में चालान कर दिया है।

रेडक्रास सोसायटी लगातार जरूरतमंदों में बांट रही कम्बल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भयंकर ठंड के प्रकोप को देखते हुए भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की बस्ती शाखा लगातार लोगों के बीच में

पहुंचकर कंबल व अन्य समाग्रियां बांट रही है। इसी क्रम मे रेडक्रॉस सोसाइटी शुक्रवार को जिले में स्थित इंटीग्रल प्राइवेट आईटीआई हवेली खास में ग्रामीण अंचल के लोगों को इकट्ठा कर कंबल का वितरण किया। सोसाइटी सचिव रंजीत श्रीवास्तव ने बताया कि संस्था द्वारा लगातार गरीब व जरूरतमंदो की पहचान कर ठंड में कंबल व जरूरत की अन्य राहत सामग्री बाटी जा रही है। इसी क्रम में आज यहां लगभग 40 कंबल ठंड से सिकुड़ रहे जरूरतमंदों में बांटा गया है। संस्था का उद्देश्य मानव के जाल–माल की रक्षा करना है, इसके लिए प्रदेश के सभापति रेडक्रॉस सोसाइटी व उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार बृजेश पाठक के माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक जिलों में राहत सामग्रीयों को पहुंचाने का निर्णय लिया गया।

जिससे ठंड की वजह से किसी व्यक्ति की जान ना जाये। कार्यक्रम संयोजक एवं संस्था के कोषाध्यक्ष राजेश कुमार ओझा ने कहा संस्था ऐसे काम अनवरत रखोगी। उपसभापति एल के पाण्डेय ने कहा कि रेडक्रॉस लगातार अपने उद्देश्यों पर खरा उतर रही है, संस्था ही जरूरतमंदो की मदद हमेशा करती रहती है जो समाज मे दिख रहा। सभापति डॉक्टर प्रमोद चौधरी ने लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामाजिक हित में संस्था सदैव आगे खड़ी रहेगी। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी रणविजय सिंह, डॉ सूर्यांश ओझा, शिवांगी, कौशल राणा, पार्थ यादव, प्रियंका श्रीवास्तव एवं सुभाष श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

विकास और कानून व्यवस्था पर कसा शिकंजा, अधिकारियों को प्रभारी मंत्री की दो–टूक चेतावनी

कुशीनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा हुई। बैठक में लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए मंत्री ने तल्ख लहजे मे कहा ष्अब फाइलों में नहीं, जमीन पर दिखेगा काम।ष पीएमजीएसवाई व प्रधानमंत्री सड़क योजना की सड़कों पर संतोषजनक जवाब न मिलने पर प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को फटकार लगाई और सभी सड़कों की सूची जन प्रतिनिधियों की सहमति से तैयार कर मरम्मत प्रस्ताव तत्काल भेजने के निर्देश दिया। मनरेगा, आवास, स्वास्थ्य, विद्युत, मंडी व राजस्व मामलों की समीक्षा में मंत्री ने चेताया कि जन कल्याणकारी योजनाओं में ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। चिकित्सकों की गैरहाजिरी पर केवल वेतन कटौती को नाकाफी बताते हुए निष्क्रिय व लापरवाह कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई के आदेश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि मुसहर कॉलोनी निर्माण के लिए 50 लाख की व्यवस्था तथा मेडिकल कॉलेज के पोस्टमार्टम हाउस की कमियों को दूर करने के लिए 2 करोड़ की स्वीकृति की गई है। डीएम ने बैठक के सभी निर्देशों के शत–प्रतिशत अनुपालन का भरोसा दिलाया। इसी कडी में एसपी केशव कुमार ने जन शिकायतों पर प्राथमिकता से कार्रवाई की बात कही। जबकि सीडीओ वंदिता श्रीवास्तव ने योजनाओं में तेजी लाकर पात्रों को पूरा लाभ दिलाने का आश्वासन दिया। बैठक में मंत्री ने स्पष्ट चेतावनी दिया कि अब जवाबदेही तय होगी। काम नहीं तो कार्रवाई तय है। आईजीआरएस में कुशीनगर पिछड़ा, प्रभारी मंत्री ने कसे पेंच– आईजीआरएस में राजस्व मामलों के निस्तारण को लेकर कुशीनगर की बदतर स्थिति पर प्रभारी मंत्री का गुस्सा फूट पड़ा। उत्तर प्रदेश रैंकिंग में जिले को 62 वां स्थान मिलने पर समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री ने एडीएम की क्लास लगाई। प्रभारी मंत्री ने साफ कहा कि यह रैंकिंग प्रशासनिक लापरवाही और खानापूर्ति का परिणाम है। उन्होंने चेतावनी दी कि झूठी रिपोर्ट और कमजोर निस्तारण अब बर्दाश्त नहीं होगा। अगली रैंकिंग में सुधार नहीं हुआ तो जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई तय है।

एग्रीस्टेक डिजिटल एग्रीकल्चर योजनांतर्गत फार्मर रजिस्ट्री अभियान का किया गया शुभारंभ

कुशीनगर,। प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने एग्रीस्टेक (डिजिटल एग्रीकल्चर) योजना के अंतर्गत कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री बनाए जाने के उद्देश्य से जनपद मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर से जिले के समस्त 14 विकास खण्डो में प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार वाहन आज 10 से 26 जनवरी तक प्रतिदिन जनपद के सभी विकास खण्डों के राजस्व ग्रामों में भ्रमण करेगा। इसके माध्यम से कृषकों को फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनवाने की आवश्यकता एवं इससे मिलने वाले लाभों के संबंध में जानकारी प्रदान की जाएगी। जिन कृषकों ने अभी तक अपनी फार्मर आईडी नहीं बनवाई है, उनके लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। फार्मर आईडी बनने से कृषकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सरलता से प्राप्त हो सकेगा। फॉर्मर आईडी के प्रमुख लाभ मुख्य रूप से 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' योजना के अंतर्गत मिलने वाली किस्तें निर्बाध रूप से प्राप्त होंगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' फसल क्षति की स्थिति में वास्तविक नुकसान के अनुरूप मुआवजा प्राप्त करने में सुविधा। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) फसलों की आसान एवं पारदर्शी बिक्री सुनिश्चित होगी। कृषि अनुदान एवं सहायता किसान क्रेडिट कार्ड सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ मिट्टी एवं फसल परामर्श सेवाएं वैज्ञानिक सलाह एवं मार्गदर्शन की सुविधा। भविष्य की जनकल्याणकारी योजनाएं आगामी समय में लागू होने वाली नई योजनाओं का लाभ। प्रचार वाहन के माध्यम से जनपद के समस्त राजस्व ग्रामों में फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाएगा तथा कृषकों को जागरूक करते हुए फार्मर आईडी बनवाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद आर० पी० एन० सिंह, सांसद विजय दुबे, विधायक खड्ढा विवेकानन्द पाण्डेय, विधायक कुशीनगर पी०एन० पाठक, विधायक हाटा मोहन वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर, मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी (वि०ध्रा०) वैभव मिश्रा, अतीन्द्र सिंह, उप कृषि निदेशक, डॉ० मेनका, जिला कृषि अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चिल्हियां पुलिस ने 01 नफर वारण्टी को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

चिल्हियां/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के कुशल पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक चिल्हियां राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में शनिवार को थाना चिल्हियां पुलिस द्वारा वाद संख्या 62/24 धारा 128 सीआरपीसी 01 नफर वारण्टी को गिरतार कर माननीय न्यायालय भेजा गया। वहीं गिरतार वारण्टी जितेन्द्र पुत्र रामभरन साकिन बर्डपुर 8 टोला मोहनपुर थाना चिल्हियां है। इस दौरान गिरतार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी, हेड कांस्टेबल ओमपाल गौतम, कांस्टेबल नरेन्द्र यादव मौजूद रहें।

किसान कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन, 15 दिनों के भीतर किसानों का बकाया भुगतान करने की चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। किसान कांग्रेस उत्तर प्रदेश पूर्वी जोन के जिला अध्यक्ष कुंवर जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में आज बजाज हिन्दुस्तान शुगर मिल लिमिटेड अठदमा रुधौली के गन्ना किसानों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया गया। मुख्य अध्याशी को सम्बेधित ज्ञापन मे 15 दिन का अल्टीमेटम देते हुये किसानों का सम्पूर्ण गन्ना बाकया भुगतान करने की मांग की गई है। भुगतान न होने की की स्थिति में जनपद के किसानों को लेकर मिल का घेराव कर धरना प्रदर्शन की बात कही गयी है। कन्हैया यादव भारतीय प्रदेश उपाध्यक्ष व संगठन प्रभारी, जिला प्रभारी अभय शुक्ला, अमित प्रताप सिंह, प्रदेश सचिव महेंद्र यादव, भूमिधर गुप्ता, अभिषेक यादव, शत्रुघ्न, राम करन, सूरज यादव, मीरा सिंह व किरन देवी सहित अनेक किसान नेता व कार्यकर्ता मौके पर उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने ज्ञापन के माध्यम से चेतावनी दिया है कि यदि 15 दिन के अंदर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन धरने पर बैठे को बाध्य होगा। यूनिट हेड शैलेन्द्र मिश्रा ने ज्ञापन लिया तथा आश्वासन दिया कि 15 दिनों के अंदर किसानों की समस्त समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा।

मनरेगा कोई भीख नहीं बल्कि गरीबों का संवैधानिक अधिकार : जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। जिला कांग्रेस कमेटी सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में केन्द्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ दिनांक 11 जनवरी से 45 दिन तक "मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान" चलाया जायेगा। यह अभियान देश के गरीब, मजदूर, किसान और ग्रामीण परिवारों के अधिकारों की रक्षा के लिए शुरू किया जा रहा है। इस अभियान को जनपद में सफलतापूर्वक चलाने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा राजन श्रीवास्तव को मनरेगा बचाओ संग्राम का जनपद कोआर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। उक्त जानकारी कांग्रेस जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने शनिवार को डुमरियागंज में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। काजी सुहेल अहमद ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना में किये गये बदलावों से करोड़ों गरीब परिवारों का रोजगार खतरे में पड़ गया है। भुगतान में देरी, काम की कटौती और ऑनलाइन प्रक्रियाओं के नाम पर मजदूरों को भटकाया जा रहा है, जो पूरी तरह जनविरोधी है। उन्होंने कहा कि मनरेगा कोई भीख नहीं बल्कि गरीबों का संवैधानिक अधिकार है। कांग्रेस पार्टी इस अधिकार को कमजोर नहीं होने देगी और इसके लिए सड़क से लेकर

सदन तक संघर्ष करेगी। वहीं कांग्रेस पार्टी की प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं – काम की गारन्टी रू जवाबदेही की गारन्टी हर पंजीकृत परिवार को 100 दिन का काम और अधिकारियों की जवाबदेही तय की जायें। मनरेगा में किये गये सभी बदलाव तत्काल वापस लिए जायें। काम के संवैधानिक अधिकार की पूर्ण बहाली की जायें। न्यूनतम मजदूरी ध्400/– प्रतिदिन तय की जायें। वहीं इस दौरान मनरेगा बचाओ संग्राम के जिला कोआर्डिनेटर राजन श्रीवास्तव ने बताया कि इस अभियान के तहत कल 11 जनवरी को एक दिवसीय उपवास रखकर प्रतीकात्मक विरोध किया जायेगा एवं 12 जनवरी से 29 जनवरी तक न्याय पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। मनरेगा श्रमिकों द्वारा केन्द्र सरकार की साजिश से अवगत कराया जायेगा। 30 जनवरी को सभी ब्लाकों पर शान्तिपूर्ण धरना दिया जायेगा और 31 जनवरी से 06 फरवरी के बीच जिलाधिकारी कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन कर टठ–ळत।ड–ळ विधेयक को वापस लेने और मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में बहाल करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपे जायेंगे। कांग्रेस पार्टी यह आन्दोलन गांव–गांव तक ले जायेगी और जब तक मजदूरों को उनका हक नहीं मिलेगा, तब तक यह अभियान जारी रहेगा। वहीं पत्रकार वार्ता के दौरान जिला कोषाध्यक्ष रियाज मनिहार, ब्लाक अध्यक्ष मुकेश चौबे, जिला महासचिव आसिफ रिज्वी भी उपस्थित रहे।

समाजसेवी ने ठण्ड से बचाव को लेकर चौक चौराहा पर जलाया अलाव

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। कड़ाके की ठण्ड को देखते हुए समाजसेवी अतुल उपाध्याय और उनकी टीम द्वारा बांसी तहसील अन्तर्गत शनिवार को अपने जिला पंचायत क्षेत्र वार्ड नं0–27 के विभिन्न प्रमुख स्थानों और चौराहों पर आम जनमानस की सुविधा के लिए अलाव की व्यवस्था करवाया गया। वहीं समाजसेवी अतुल उपाध्याय व उनकी टीम के सहयोग से "सर्दी राहत अभियान" के अन्तर्गत एक सामाजिक सेवा कार्यक्रम गरीब, असहाय व जरुरतमन्दों के बीच अलाव की व्यवस्था गया। मीडिया से बातचीत के दौरान समाजसेवी अतुल उपाध्याय ने बताया कि आगे भी ऐसे सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को निरन्तर जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्थानीय युवा साथी एवं समाज के सहयोग कर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके प्रति जनता जनार्दन एवं क्षेत्रवासियों ने आभार व्यक्त किया।

आर्मी पब्लिक स्कूल के प्रबंधक ने पूज्य पिता के स्मृति में वृद्ध आश्रम में भोजन कराया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड बांसी क्षेत्र के ग्राम पंचायत बस्ठा के टोला रुद्रपुर निवासी प्रमोदधार द्विवेदी आर्मी पब्लिक स्कूल के तत्वावधान में आयोजक सत्य प्रकाशधार द्विवेदी के अध्यक्षता में सैकड़ों वृद्ध जनों को वृद्ध आश्रम में भोजन कराया गया एवं गर्म वस्त्रआदि का वितरण किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी अमरेश शुक्ला व जितेंद्र त्रिपाठी रहें। कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे क्षेत्र में हमेशा सामाजिक व धार्मिक कार्य किया जाता है, जिसकी चर्चा पूरे तहसील में बनी रहती है। आर्मी पब्लिक स्कूल के प्रबंधक पूज्य पिताजी के पूर्ण तिथि पर विगत वर्षों के भांति इस वर्ष भी भोजन व गरम वस्त्र वितरण किया गया। तभी से ही लगातार भोजन व गर्म वस्त्र वितरण व विभिन्न सामाजिक व धार्मिक कार्य करती रहती है। आर्मी पब्लिक स्कूल के प्रबंधक सत्य प्रकाश द्विवेदी द्वारा कहां गया कि इस कड़ाके की ठंडक में जरूरतमन्दों में कम्बल,टोपी,कोट, मोजा आदि वितरण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना हम सब सौभाग्य है। उक्त अवसर पर आर्मी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य राम यतन चौधरी, विभा द्विवेदी, श्रीधर श्रीवास्त, वरिष्ठ अध्यापक सुरेश यादव,अमरेश शुक्ला, पायलट निजाम शेख सहित तमाम लोग मौजूद रहें।

किसी प्रकरण का निस्तारण मौके पर जाकर राजस्व के अधिकारी/कर्मचारी करायेंगे : जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। थाना उसका बाजार परिसर में शनिवार को थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर आने वाले शिकायत कर्ताओं की समस्याओं को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा सुना गया। जिलाधिकारी ने समस्त राजस्व निरीक्षक को निर्देश दिया कि भूमि विवाद, वरासत, बंटवारा आदि के जो प्रकरण हैं, उनका मौके पर जाकर सही ढंग से निस्तारण करायें। किसी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाये। इसके साथ ही

प्रकरणो को निस्तारण करायें, प्रकरण लम्बित कदापि न रखा जाये। जिलाधिकारी ने थाना समाधान दिवस में आये सभी शिकायतकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि आपस में मिलकर रहे। किसी प्रकार का लड़ाई–झगड़ा न करे। जो भी प्रकरण आये है उसका निस्तारण मौके पर जाकर राजस्व के अधिकारी/कर्मचारी करायेंगे। वहीं थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक संयुक्त रुप में गरीब/असहाय व्यक्तियों में कम्बल का वितरण किया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष उसका बाजार, राजस्व निरीक्षक व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कटाव निरोधक कार्य की परियोजना हेतु रू4 करोड़ 67 लाख 56 हजार रुपए की हुई स्वीकृति – विधायक कपिलवस्तु

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा विधानसभा क्षेत्र कपिलवस्तु अन्तर्गत ग्राम पंचायत अमरिया टोला संगलदीप के सुरक्षार्थ कटाव निरोधक कार्य की परियोजना हेतु ध्4 करोड़ 67 लाख 56 हजार की स्वीकृति प्रदान की गई है। विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने बताया कि यह परियोजना

क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम है। विधायक श्री राही ने कहा कि कटाव निरोधक कार्य पूर्ण होने के उपरान्त ग्राम पंचायत अमरिया टोला संगलदीप सहित आस–पास के क्षेत्रों को बाढ़ एवं कटाव से स्थायी सुरक्षा प्राप्त होगी, जिससे स्थानीय जनता को बड़ी राहत मिलेगी। प्रदेश सरकार जनहित एवं जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को निरन्तर गति प्रदान कर रही है। कपिलवस्तु की जनता के विश्वास पर खरा उतरते हुए क्षेत्र में विकास की यह श्रृंखला आगे भी निरन्तर जारी रहेगी।

डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उसका बाजार का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उसका बाजार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने पंजीकरण कक्ष, पूछताछ केन्द्र, दवा वितरण कक्ष को देखा। शनिवार को ओपीडी में 68 मरीज आये थे। पैथॉलाजी में 08 मरीज आये थे। निरीक्षण के दौरान वैक्सीन फ्रीज बन्द पाया जिस पर डीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। निरीक्षण के दौरान एमओआईसी अनुपस्थित पाये गये। डीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। जनऔषधि केन्द्र में दवा वितरण नही हो रहा था और सिर्फ 02 लोगो को दवा दिया गया था। डीएम ने निर्देश दिया कि 24 घन्टे स्वास्थ्य केन्द्र खुला रहना चाहिए। डीएम ने औषधि भण्डार कक्ष को देखा।

गरीब कल्याण संस्था ने बांटे निःशुल्क कम्बल, लिया बुजुर्गो का आशीर्वाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र 305 इटवा अन्तर्गत थाना कठेला समयमाता के ग्राम पंचायत कठेला जनूबी टोला ऊचडीह में तीन दर्जन से अधिक जरूरतमन्दों में गरीब कल्याण संस्था द्वारा निःशुल्क कम्बल वितरण किया गया। इस अवसर पर गरीब कल्याण संस्था टीम ने बुजुर्गो का आशीर्वाद प्राप्त किया गया। उक्त कम्बल वितरण कार्यक्रम रामकुमार मौर्या जी के देख–रेख में किया गया। मुख्य अतिथि संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजसेवी राम गोपाल यादव सहित अमर, बजरंगी प्रजापति, जुम्मन, राजकुमार चौहान, अब्दुल कयूम आदि कई साथी मौजूद रहें।

संघ शताब्दी वर्ष पर जोगिया में विशाल हिंदू सम्मेलन

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में जोगिया में रविवार को हिंदू सम्मेलन समिति के तत्वावधान में विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कड़ाके की ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। सम्मेलन का उद्देश्य हिंदू समाज में चेतना, जागरूकता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदू सम्मेलन समिति के अध्यक्ष श्री दिवाकर विक्रम सिंह ने की। सम्मेलन स्थल पर सुबह से ही जनमानस का सैलाब उमड़ पड़ा

और सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रप्रचार प्रमुख श्री सुभाष जी रहे। अपने ओजस्वी एवं प्रेरक उद्बोधन में उन्होंने समाज के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक 'पंच परिवर्तन' पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने

संबोधित करते हुए अध्यक्ष श्री दिवाकर विक्रम सिंह ने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष केवल उत्सव का नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्वों और संकल्पों को पूर्ण करने का अवसर है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी नागरिकों व कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्रीष चौधरी, महेंद्र लोधी, राजेश दूबे, बिपुल जी, अभय जी, विशाल जी, शिवेंद्र जी, अविनाश जी, दुर्गेश जी, राजकुमार सिंह, दीपक मौर्य, रिंकू पाल, फूलचंद, सत्यप्रकाश जी, विपिन जी, गोपाल मिश्रा, रत्नेश सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

थाना चिल्हियां प्रांगण में नायब तहसीलदार की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस हुआ सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थाना चिल्हियां प्रांगण में शनिवार को नायब तहसीलदार महबूब अंसारी की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान सबसे अधिक मामले राजस्व विभाग से सम्बन्धित रहे। राजस्व समेत विभिन्न मामलों के निस्तारण के लिए सम्बन्धित कर्मियों को निर्देश दिया गया। नायब तहसीलदार महबूब अंसारी ने कहा कि चुनावी सत्र चल रहा है। सभी राजस्व निरीक्षक अपने–अपने क्षेत्र के ग्राम प्रधान, पूर्व प्रधान, कोटेदार और बीडीसी आदि से लगातार सम्पर्क में रहे। क्षेत्र की छोटी से छोटी घटनाओं पर सबकी नजर रहनी चाहिए ताकि वह छोटी घटना बड़ी घटना न होने पाये और समय रहते ही उन समस्याओं का त्वरित समाधान कर दिया जायें। वहीं प्रभारी निरीक्षक चिल्हियां राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि चिल्हियां पुलिस कानून व्यवस्था को चुस्त और दुरुस्त बनाने के लिए हमेशा तत्पर है। कानून को हाथ में लेने वाले व्यक्ति को किसी भी प्रकार से बक्सा नहीं जायेगा। इस दौरान नायब तहसीलदार महबूब अंसारी, एसओ चिल्हियां राजेश कुमार गुप्ता, एसआई अमला यादव, एसआई वीरेन्दर सिंह यादव, एसआई शारदा प्रसाद सहित लेखपाल विजय किशोर, ओम प्रकाश, विजय कुमार, प्रशान्त बाबू, मो0 मुस्ताक खान, विवेक पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

ग्राम चौपाल में गरमाया आयुष्मान कार्ड विवाद, पंचायत भवन की व्यवस्थाओं पर सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड बर्डपुर अन्तर्गत ग्राम पंचायत बजहां में आयोजित ग्राम चौपाल के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं और उनके निस्तारण का दावा किया गया। इसी दौरान आयुष्मान भारत योजना से जुड़े एक मामले को लेकर पंचायत प्रशासन पर सवाल खड़े हो गये। ग्राम पंचायत निवासी अहमद अली ने चौपाल में आरोप लगाया कि उनके बच्चे का आयुष्मान कार्ड तो बन गया था, लेकिन उसकी केवाईसी पूरी नहीं हो पा रही है। उन्होंने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार पंचायत सहायक (सहायक सेक्रेटरी) से सम्पर्क किया गया, लेकिन हर बार यह कहकर टाल दिया गया कि "जब जरूरत पड़ेगी तब बना दिया जायेगा।" वहीं अहमद अली का कहना है कि जब इलाज की जरूरत पड़ेगी, तब क्या पंचायत सचिव या सहायक को ढूंढते फिरना पड़ेगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पंचायत भवन होने के बावजूद पंचायत सहायक अक्सर वहां मौजूद नहीं रहते, जिससे ऑनलाइन कार्य के लिए ग्रामीणों को बाहर भाग–दौड़ करनी पड़ती है। सवाल करने पर पंचायत सहायक द्वारा "डीएम से शिकायत कर दीजिए" जैसा जवाब दिये जाने का भी आरोप लगाया गया। चौपाल में मौजूद पंचायत सहायक मो0 नसीम से जब इस मामले पर सवाल किया गया तो उन्होंने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह शिकायतकर्ता का व्यक्तिगत मामला भी हो सकता

है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयुष्मान कार्ड की केवाईसी उस समय तकनीकी समस्या के कारण नहीं हो पा रही थी। साथ ही ग्राम पंचायत के पास बायोमेट्रिक डिवाइस उपलब्ध नहीं थी, जिस कारण कार्य बाधित रहा। पंचायत सहायक ने भरोसा दिलाया कि आज या कल में बायोमेट्रिक डिवाइस मिलते ही समस्या का समाधान कर दिया जायेगा। पंचायत सहायक मो. नसीम ने यह भी बताया कि पंचायत भवन में नेटवर्क की समस्या रहती है, इसलिए ग्राम पंचायत बजहां के ही दो दुकानों पर ऑनलाइन कार्य किया जाता है। इसकी जानकारी चौपाल में कई बार ग्रामीणों को दी जा चुकी है और वहीं सम्पर्क करने पर उनका ऑनलाइन कार्य कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वह अपने स्मार्टफोन के माध्यम से ही ऑनलाइन से सम्बन्धित कार्य करते हैं। चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों ने जब पंचायत सचिव से सवाल किया कि पंचायत भवन में कम्प्यूटर सिस्टम क्यों नहीं लगाया गया है, तो पंचायत सचिव ने बताया कि कम्प्यूटर दूसरे कमरे में लॉक करके रखा गया है। हालांकि ग्रामीणों ने जब कम्प्यूटर कक्ष देखा तो वहां केवल एक बैटरी और एक बन्द पड़ा यूपीएस मिला। इससे ग्रामीणों में सन्देह उत्पन्न हो गया कि कहीं पंचायत भवन का कम्प्यूटर निजी उपयोग में तो नहीं लिया जा रहा है। इस पूरे मामले के बाद ग्रामीणों ने पंचायत प्रशासन से पारदर्शिता और पंचायत भवन में मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ बिना परेशानी के मिल सके। वहीं सचिव मनोहर लाल बर्नवाल का कहना है कि अभी आयुष्मान कार्ड का डोर टू डोर सर्वे चल रहा है। पंचायत भवन भारत–नेपाल सीमा पर है और नेटवर्क की समस्या है। वाई–फाई की सुविधा देकर सभी कार्य पंचायत भवन से किया जायेगा और लोगों की समस्या का निस्तारण किया जायेगा।

सम्पादकीय

हिंदुस्तान में रहने वाला प्रत्येक नागरिक हिन्दू है। आर्यावर्त, सभ्यता के उद्गम से ही आर्य यानी श्रेष्ठ जनों की भूमि रही है। इसी सुप्त पड़ी हिंदू चेतना के प्राकट्य का उत्सव मनाने के लिए संघ प्रतिब) है। ध्यातव्य है कि शताब्दी वर्ष राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की एक सौ वर्षों की यात्रा का उत्सव है। यह सेवा, त्याग और राष्ट्र निर्माण के प्रति संगठन की प्रतिब)ता को दर्शाता है...

समरसता, जागरण और राष्ट्र निर्माण हेतु प्रतिबद्ध संघ

सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पिछले एक सौ वर्षों से प्रतिबद्ध है। संघ राष्ट्र निर्माण को सर्वोपरि मानते हुए जाग्रत हिन्दू चेतना के उत्कर्ष हेतु जमीनी स्तर पर कार्य किया है। ध्यातव्य है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष (1925–2025) के उपलक्ष्य में 2025 से 2026 तक कई कार्यक्रम आयोजित कर चुका है, जिसमें विजयादशमी 2025 से विजयादशमी 2026 तक श्हर गांव, हर बस्ती, घर–घरश संपर्क अभियान, सामाजिक सद्भाव बैठकें, हिन्दू सम्मेलन, युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रम और 2026 में नागपुर में भव्य विजयादशमी उत्सव शामिल हैं। संघ सनातन संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम् के भाव को अभियान के रूप में पुष्पित पल्लवित करने का कार्य कर रहा है। महाकवि जय शंकर प्रसाद ने कामायनी में लिखा है कि समरस थे जड़ या चेतन, सुंदर साकार बना था, चेतनता एक विलसती आनंद अखंड घना था। इसी चेतना और सुंदरम क्षण की वापसी हेतु, अपने क्षीण स्वार्थों में उलझे हुए विभाजित हिंदुओं को संगठित कर विदेशी गुलामी की मानसिकता से निकलने का आह्वान संघ का जय घोष है। तिमिर से प्रकाश की यात्रा सनातन की यात्रा है। महमूद गजनवी से लेकर औरंगजेब तक विदेशी मुस्लिम शासकों ने भारत की अस्मिता पर प्रहार और वज्रपात करने का कार्य किया। अंग्रेज भारत में आए तो उनका मिशन हिंदुओं को गरीब कर, ईसाइयत का प्रचार प्रसार करना था। आप गौर कीजिए तो पाएंगे कि 1857 प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के समय स्थानीय अदालतों की भाषा फारसी और उर्दू थी। जबकि ब्रिटिश भारत में अदालतों की भाषा अंग्रेजी थी। कहने का अभिप्राय यह है कि जब भारत की तत्कालीन हिन्दू जनता उर्दू,फारसी और अंग्रेजी जानती ही नहीं थी तो हिंदुओं की संपत्ति बड़े पैमाने पर गैर हिन्दुओं को दी गईं। संस्त भाषा का अपकर्ष और उसे बेकार घोषित कर मुस्लिम और अंग्रेजी शासकों ने सनातन को श्रीहीन करने का कार्य किया। विखंडित हिन्दू जाति को संगठित करने का कार्य स्वामी विवेकानंद ने किया फिर उसी चेतना पर आरूढ़ होकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने सनातन के एकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया। हिन्दू जागेगा तभी विश्व में शांति और सौहार्द्र की स्थापना होगी। भारत , ऋषियों, मुनियों और तपस्वियों की भूमि है। हिंदुस्तान में रहने वाला प्रत्येक नागरिक हिन्दू है। आर्यावर्त, सभ्यता के उद्गम से ही आर्य यानी श्रेष्ठ जनों की भूमि रही है। इसी सुप्त पड़ी हिंदू चेतना के प्राकट्य का उत्सव मनाने के लिए संघ प्रतिबद्ध है। ध्यातव्य है कि शताब्दी वर्ष राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की एक सौ वर्षों की यात्रा का उत्सव है। यह सेवा, त्याग और राष्ट्र निर्माण के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हिंदुत्व इसका प्राणतत्व है और राष्ट्रीयता का जयघोष इसका नाद। भारतीय संस्ति और सभ्यता के संगम पर अवस्थित और पुष्पित पल्लवित करने के कारण संघ वंदनीय है। जय भारत। जय संघ।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

हंसदे रहो जी, वसदे रहो जी

अब लोगों के मरने को कौन सीरियसली लेता है। लोग जहरीली शराब पीकर मर जाते हैं। किसी ने संबंधित मंत्रियों का घंटा बजाया? कौन पूछ रहा है यार! कितने ही शहरों में कितने ही बच्चे खांसी की दवा पीकर मर गए। बेशक आज तक यह प्रश्न तो ज्यों का त्यों है कि बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधे, लेकिन इधर एक पत्रकार ने एक नेताजी के गले में घंटा जरूर बांध दिया और मुशायरा लूट ले गया। अब जिसे देखो वही नेताजी को मंदिर के घंटे की तरह बजा रहा है। किसी जमाने में घंटाघर का घंटा भी बजा करता था, लेकिन इधर नेताजी पता नहीं किस घंटे के मुरीद हुए पड़े हैं। वह घटांघर का घंटा तो नहीं होता और मंदिर का घंटा तो निश्चित ही नहीं होता। स्कूलों में भी कभी घंटियां बजती थीं, शायद अब भी बजती हों– प्रेयर की भी और पीरियड की भी। घर के मंदिर में भी घंटी ही बजती है।

वैसे घंटियां एक जमाने में बैलों के गले में भी बजा करती थीं, पर अब तो बैल ही नहीं रहे। होंगे। पर किसानों वाले नहीं रहे। कभी–कभी आशिकों के दिल भी घंटी की तरह बजने लगते हैं। लेकिन देखो, किसी की चर्चा नहीं! सिर्फ नेताजी के घंटे की चर्चा है, जिसने खुद उन्हें ही घंटा बना दिया। वैसे वे मंत्री भी हैं, लेकिन यह कोई नहीं जानता कि वे किस विभाग या मंत्रालय के मंत्री हैं, अब उनकी पहचान बस घंटा मंत्री के रूप में है। घंटा और नेताजी एक दूसरे के पर्याय हो गए। ऐसा कब–कब होता है, बताइए?

जबकि बात कुछ भी नहीं थी जनाब! बस नेताजी के शहर में कुछ लोग जहरीला पानी पीकर मर गए। अब लोगों के मरने को कौन सीरियसली लेता है। लोग जहरीली शराब पीकर मर जाते हैं। किसी ने संबंधित मंत्रियों का घंटा बजाया? कौन पूछ रहा है यार! कितने ही शहरों में कितने ही बच्चे खांसी की दवा पीकर मर गए। कितने मंत्रियों का घंटा बजा? कौन पूछ रहा है यार! कभी बच्चे आक्सीजन की कमी से मर जाते हैं। कभी बच्चे जहरीला खाना खाने से मर जाते हैं। बताइए, कितने मंत्रियों को घंटे की तरह बजाया गया? कौन पूछ रहा है यार! और कोई पूछे तो उसे सीधे–सीधे देशद्रोही ठहराओ न। उस पर एफआईआर करवाओ न। जेल में डालो पूछने वाले को। यह घंटा–वंटा का चक्कलस करने की क्या जरूरत थी। या फिर कुलदीप सिंह सेंगर की तरह हंसते रहो। बलात्कार करके हंसो, जेल जाते हुए हंसो। बस हंसो। या किसी महिला का नकाब खींचने पर मुख्यमंत्रीजी की तरह मुस्कुराओ और ज्यादा हंगामा हो तो उनके साथी मंत्रियों की तरह हंसो।

वैसे ही हंसों, जैसे संसद में एक सांसद द्वारा अपने साथी सांसद को आतंकवादी वगैरह कहने पर उनके साथी सांसद हंसे थे। किसी बुजुर्ग की दाढ़ी खींचते हुए भी तो लोग हंसते ही हैं न। नॉर्थ ईस्ट के किसी छात्र–छात्रा को चिंकी वगैरह कहते हुए भी लफंगे हंसते ही हैं। उन नेताजी को भी जहरीला पानी पीकर मरने वालों पर सिर्फ हंसना ही चाहिए था। वो कहते हैं न हंसदे रहो, वसदे रहो!

संस्कृति और तकनीक के बीच सेतु बनी हिंदी

हिन्दी की संरचना, उसकी भावनात्मक गहराई और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप तकनीकी समाधान विकसित होंगे। जब हिन्दी में सोचकर कोड लिखा जाएगा, जब हिन्दी में शोध और नवाचार होंगे, तब हिन्दी केवल संवाद की नहीं, बल्कि समाधान की भाषा बन जाएगी। हिन्दी आज उस मोड़ पर खड़ी है, जहां वह परंपरा और आधुनिकता, संस्कृति और तकनीक, भावना और विज्ञान के बीच सेतु बन रही है...

शोध और नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों में हिन्दी माध्यम को प्रोत्साहन मिल रहा है। विज्ञान, पर्यावरण, तकनीक, सामाजिक अध्ययन और डेटा विश्लेषण जैसे विषयों पर हिन्दी में शोध कार्य सामने आ रहे हैं। यह ज्ञान के लोकतंत्रीकरण की प्रक्रिया है। हिन्दी केवल शब्दों का समूह नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता, संस्कृति और चेतना की एक जीवंत धारा है, जो इस देश की आत्मा को स्वर देती आई है। आज जब विश्व तकनीकी बदलावों के दौर से गुजर रहा है, हिन्दी भी खुद को नए संदर्भों में पुनः परिभाषित कर रही है। पहले केवल कविता, कथा और संवाद की भाषा मानी जाने वाली हिन्दी अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विज्ञान, डिजिटल नवाचार और वैश्विक संवाद की प्रभावशाली भाषा बनती जा रही है। विश्व हिन्दी दिवस 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में हुए पहले विश्व हिन्दी सम्मेलन की ऐतिहासिक घटना की याद दिलाता है, जिसने हिन्दी को राष्ट्रीय सीमाओं से बाहर निकालकर वैश्विक मंच पर स्थापित किया। इस सम्मेलन के बाद, विभिन्न देशों में आयोजित अन्य विश्व हिन्दी सम्मेलनों ने यह सिद्ध किया कि हिन्दी अब केवल भारत की भाषा नहीं, बल्कि यह विश्वभर में सांस्कृतिक पहचान और संवाद का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। आज, मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद, नेपाल, दक्षिण अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में हिन्दी बोलने वाले समुदाय न केवल हिन्दी साहित्य से जुड़े हैं, बल्कि तकनीकी क्षेत्र में भी हिन्दी के उपयोग को बढ़ावा दे रहे हैं। इक्कीसवीं सदी का सबसे

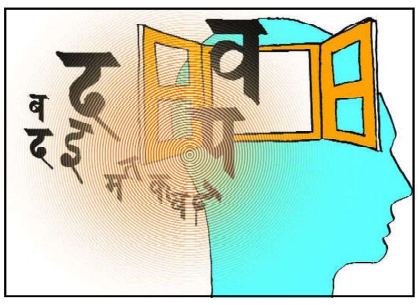

बड़ा परिवर्तन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है। यह वह तकनीक है, जिसने मानव और मशीन के संबंधों को नई परिभाषा दी है। एआई अब केवल गणना करने वाली मशीन नहीं, बल्कि भाषा समझने, संवाद करने, निर्णय लेने और रचनात्मक कार्यों में भागीदारी निभाने वाली प्रणाली बन चुका है। बीते कुछ वर्षों में हिन्दी ने इसमें सशक्त प्रवेश किया है। आज वैश्विक तकनीकी कंपनियां हिन्दी को गंभीरता से अपना रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चौटबॉट्स, वॉयस असिस्टेंट्स, ट्रांसलेशन टूल्स और कंटेंट जनरेशन प्लेटफॉर्म्स हिन्दी में संवाद करने लगे हैं। हिन्दी में प्रश्न पूछने पर हिन्दी में ही सटीक, संदर्भपूर्ण और सहज उत्तर मिलना अब असंभव नहीं रहा। यह केवल भाषा का अनुवाद नहीं, बल्कि भाषा की समझ का विकास है। मशीनें अब हिन्दी के व्याकरण, भाव, मुहावरों और यहां तक कि क्षेत्रीय लहजों को भी पहचानने लगी हैं। इससे तकनीक और आम नागरिक के बीच की दूरी कम हो रही है। हिन्दीभाषी समाज, अब डिजिटल अर्थव्यवस्था का सक्रिय भागीदार बन रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बैंकिंग, प्रशासन और ई–गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में हिन्दी आधारित एआई टूल्स आम लोगों के जीवन को सरल बना रहे हैं। ऑनलाइन फॉर्म भरने से लेकर सरकारी योजनाओं की जानकारी, टेलीमेडिसिन से लेकर डिजिटल भुगतान तक, हिन्दी तकनीक का माध्यम बन रही है। यह परिवर्तन सामाजिक न्याय और समान अवसरों की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। विज्ञान और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी हिन्दी का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। नई शिक्षा नीति ने मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा को प्राथमिकता देकर इस बदलाव को गति दी है। आज इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कानून, प्रबंधन और विज्ञान जैसे विषयों की अध्ययन सामग्री हिन्दी में उपलब्ध कराई जा रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी में विज्ञान और तकनीक से जुड़े पाठ्यक्रम, वीडियो लेक्चर और अध्ययन सामग्री छात्रों के लिए नए अवसर खोल रहे हैं। शोध और नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों में हिन्दी माध्यम को प्रोत्साहन मिल रहा है। विज्ञान, पर्यावरण, तकनीक, सामाजिक अध्ययन और डेटा विश्लेषण जैसे विषयों पर हिन्दी में शोध कार्य सामने आ रहे हैं। यह ज्ञान के लोकतंत्रीकरण की प्रक्रिया है। हिन्दी में वैज्ञानिक शब्दावली का विकास, तकनीकी शब्दों का मानकीकरण और शोध प्रकाशनों का विस्तार इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। हिन्दी की भूमिका डिजिटल मीडिया और तकनीकी पत्रकारिता में भी अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। आज तकनीक, विज्ञान, अंतरिक्ष, पर्यावरण और स्वास्थ्य से जुड़े विषय हिन्दी में व्यापक रूप से उपलब्ध हैं। हिन्दी में तकनीकी विश्लेषण, एआई टूल्स की जानकारी, साइबर सुरक्षा, डेटा प्राइवेसी और डिजिटल साक्षरता पर सामग्री आम जनता को जागरूक बना रही है। सोशल मीडिया, यूट्यूब, ब्लॉग्स और पॉडकास्ट के माध्यम से हिन्दी तकनीकी ज्ञान का प्रमुख माध्यम बन रही है। इससे लोगों में प्रयोग और नवाचार की भावना बढ़ रही है। व्यवसाय और स्टार्टअप जगत में भी हिन्दी का महत्व बढ़ा है। अब कंपनियां हिन्दी में ग्राहक सेवा, प्रशिक्षण सामग्री और डिजिटल इंटरफेस उपलब्ध करा रही हैं। एआई आधारित हिन्दी चौटबॉट्स और वर्चुअल असिस्टेंट्स ग्राहक अनुभव को बेहतर बना रहे हैं। छोटे शहरों और कस्बों से उभरते स्टार्टअप्स हिन्दी को अपनी कार्यभाषा बनाकर नवाचार कर रहे हैं। इससे स्थानीय समस्याओं के स्थानीय समाधान सामने आ रहे हैं। आने वाले समय में भारत में विकसित होने वाले एआई मॉडल्स हिन्दी को केवल सपोर्टेड भाषा नहीं, बल्कि मूल भाषा के रूप में अपनाएंगे।

एआई मॉडल और कॉपीराइट कंटेंट के दुरुपयोग का सवाल

नैसकश्नम ने सुझाव दिया कि टीडीएम के लिए सार्वजनिक उपलब्ध अपने काम का इस्तेमाल रोकने की जिम्मेवारी राइट्स होल्डर्स की थी, और इसके लिए, उन्हें अपने काम की उपलब्धता के समय `ऑप्ट आउट' का विकल्प दिया जाए। जो कंटेंट सार्वजनिक उपलब्ध नहीं, उसके लिए राइट्स होल्डर्स कॉन्ट्रैक्ट या लाइसेंस शर्तों के जरिए अपने हकों की रक्षा कर सकते हैं...

एआई कंपनियां कॉपीराइट वाले कंटेंट के उपयोग से एलएलएम मॉडल प्रशिक्षित कर बिजनेस कर रही हैं जो सवालों के घेरे में है। बेशक एलएलएम व अन्य मॉडल तकनीकी नवोन्मेष का नतीजा है, लेकिन यह दशकों से लाखों रचनाकारों द्वारा निर्मित काम की डिजिटल चोरी पर टिका है। प्रस्तावित कॉपीराइट फ्रेमवर्क में रचनाकारों के हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए। जैसे ही साल खत्म हो रहा था, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने 'जेनरेटिव एआई एंड कॉपीराइट' पर एक कार्यपत्र प्रकाशित किया। यह अप्रैल, 2025 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में कॉपीराइट सुरक्षा के जटिल सवाल की जांच के लिए गठित की गई एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट है, और इसके निष्कर्षों से निकट भविष्य में कॉपीराइट और जेनरेटिव एआई के संबंध में भारत की आधिकारिक नीति का आधार बनने की सर्वाधिक संभावना है। जेनरेटिव एआई उत्पाद जैसे कि चौटजीपीटी, जेमिनी, परप्लेक्सिटी इत्यादि लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) हैं, जो यूजर्स द्वारा दिए गए प्रॉम्पट्स (निर्देश) के आधार पर कंटेंट उत्पन्न करके देते हैं। मसलन, कोई व्यक्ति चौट जीपीटी को कहे कि आरके नारायण या मुंशी प्रेमचंद की शैली में एक लघु कहानी लिखकर दो, और वह उसे उत्पन्न कर दे। इसी तरह, डाल–ई, मिडजर्नी (और इस जैसे टेक्स्ट–टू–इमेज और टेक्स्ट–टू–वीडियो जेनरेशन मॉडल) दिए गए विषय पर पेंटिंग बनाकर पेश कर सकते हैं, जिसके लिए निर्देश दिए जाएं कि इनकी शैली जैमिनी रॉय या एमएफ हुसैन जैसी हो। या फिर सत्यजीत रे की शैली में एक लघु फिल्म क्लिप बनाने को कहा जाए। जेनरेटिव एआई मॉडल से उत्पन्न होने वाली सामग्री उनके प्रशिक्षण पर आधारित होती है, जिसमें विभिन्न प्रकार के स्रोत (जैसे नारायण के उपन्यास या हुसैन और अन्य की पेंटिंग) से प्राप्त डेटा का उपयोग किया जाता है। एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला डेटा विभिन्न श्रेणियों वाला हो सकता

है– कॉपीराइटेड, कॉपीराइट–समाप्त और सार्वजनिक डोमेन में 'उचित उपयोग' की अनुमति वाला उपलब्ध डेटा। जब से प्रौद्योगिकी फर्मों ने जेनरेटिव एआई उत्पादों के व्यावसायिक संस्करण लॉन्च किए हैं, किताबों, शोधपत्रों, तस्वीरों, फिल्मों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों के विभिन्न रूपों जैसी कॉपीराइटेड सामग्री में उनके उपयोग का सवाल एआई बहस का केंद्र बन गया है। इसने जटिल कानूनी, नैतिक और औचित्य संबंधी प्रश्न खड़े कर दिए। एक और अनसुलझा मुद्दा एआई–जनित आउटपुट की कॉपीराइट–योग्यता और लेखक का अधिकार है। कई देशों में सरकारें और अदालतें इस नए चलन –एआई मॉडल का डेटा प्रशिक्षण– से निपटने के लिए जूझ रही हैं। भारत सहित दुनियाभर की प्रौद्योगिकी कंपनियों की दलील है कि एआई मॉडल कॉपीराइट कानूनों का उल्लंघन नहीं करते क्योंकि वे कॉपीराइटेड किताबों, तस्वीरों आदि की नकल या साहित्यिक चोरी नहीं कर रहे हैं, बल्कि केवल अलग डेटासेट के रूप में एल्गोरिद्म को प्रशिक्षित करने के लिए पैटर्न, शैलियों, संरचनाओं का उपयोग करके सांख्यिकीय संबंध के संदर्भ में उन्हें नई सामग्री उत्पन्न करने में सक्षम बनाने को कर रहे हैं। उनका दावा है कि यह रचनात्मक कार्यों का 'उचित उपयोग' वाले सर्वमान्य सिद्धांत के अनुरूप है। यह तर्क देना कि एआई मॉडल मूल कामों की 'नकल' नहीं कर रहे, बल्कि उनसे सिर्फ 'सीख' रहे हैं, सही नहीं। क्योंकि एक एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने की प्रक्रिया में कई चरण होते हैं, जिसमें डेटा (मूल सामग्री) की कॉपी करना और स्टोर करना शामिल है, जो वस्तुतः कॉपीराइट का उल्लंघन है। जबकि एआई उद्योग का कहना है कि इसे 'तकनीकी उल्लंघन' माना जा सकता है, कानूनी नहीं। यह धारणा खारिज करते हुए कि किसी कॉपीराइट लाइसेंसिंग की जरूरत नहीं, दुनिया के दूसरे हिस्सों में इस पर चल रही चर्चा या लागू किए जा चुके अलग–अलग मॉडलों का अध्ययन करने के बाद, विशेषज्ञ समिति ने भारत के लिए हाइब्रिड फ्रेमवर्क की सिफारिश की है। इसने एआई डेवलपर्स को एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने में कानूनन एक्सेस किए गए कॉपीराइट–सुरक्षित कामों के इस्तेमाल के लिए एक ब्लैंकेट लाइसेंस दिए जाने का सुझाव दिया है, बशर्ते कॉपीराइट धारकों को रॉयल्टी का भुगतान किया जाए। लेकिन अधिकार धारकों के पास एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने में अपने कामों का इस्तेमाल करने से रोकने का विकल्प नहीं होगा। अधिकार धारक संगठनों की उपस्थिति और सरकार द्वारा नामित एक केंद्रित नॉन–प्रॉफिट संस्था एआई डेवलपर्स से पेमेंट उगाहने के लिए जिम्मेदार होगी। इस संस्था में कॉपीराइट सोसायटी और उद्योग संगठन इसके सदस्य होंगे, और निजी रचनाकारों तक रॉयल्टी पहुंचाने के काम के लिए इस प्रकार के सदस्य–संगठन जिम्मेदार होंगे। कॉपीराइट सामग्री से प्रशिक्षित कर बने एआई सिस्टम से कमाई का एक निश्चित प्रतिशत बतौर रॉयल्टी देय होगा और दरें एक सरकारी समिति तय करेगी। तकनीक विकसित करने वाली कंपनियों का तर्क है कि रचनात्मक कामों के उपयोग को नियंत्रित करना व लाइसेंसिंग को अनिवार्य बनाने के लिए नए कॉपीराइट कानून लागू करना तकनीकी नवाचार में बाधा डालेगा। वे एआई मॉडल को प्रशिक्षण मुमकिन बनाने को कॉपीराइट कानूनों में टेक्स्ट और डेटा माइनिंग (टीडीएम) को छूट देने की मांग करते हैं। उद्योग संस्थानों के प्रतिनिधि, नैसकॉम, ने विशेषज्ञ कमेटी में इसकी सिफारिशों से असहमति जताई।

प्रतिशोध लेने को तैयार...हिन्दुओं पर हमलों के बीच अजित डोभाल का खुला ऐलान, हिला बांग्लादेश!

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोवाल ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता की भारी कीमत चुकानी पड़ी है, जिसमें पीढ़ियों से भारतीयों को अपमान, विनाश और हानि सहनी पड़ी है। उन्होंने युवाओं से इतिहास से प्रेरणा लेकर राष्ट्र का पुनर्निर्माण करने और अपने मूल्यों, अधिकारों और विश्वासों पर आधारित एक मजबूत और महान भारत के निर्माण की दिशा में काम करने का आग्रह किया। विकसित भारत युवा नेता संवाद के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए डोभाल ने कहा कि यह स्वतंत्र भारत हमेशा इतना स्वतंत्र नहीं था जितना अब दिखता है। हमारे पूर्वजों ने इसके लिए महान बलिदान दिए। उन्होंने घोर अपमान सहा और घोर असहायता के दौर का सामना किया। कई लोगों को फांसी दी गई... हमारे गांवों को जला दिया गया। हमारी सभ्यता नष्ट हो गई। हमारे मंदिरों को लूटा गया और हम मूक दर्शक बनकर असहाय रूप से देखते रहे। यह इतिहास हमें एक चुनौती देता है कि आज भारत के प्रत्येक युवा के भीतर स्वतंत्रता की लौ होनी चाहिए। श्प्रतिशोधश शब्द आदर्श नहीं है, लेकिन प्रतिशोध अपने आप में एक शक्तिशाली शक्ति है। हमें अपने इतिहास का बदला लेना होगा। हमें इस देश को उस मुकाम पर वापस लाना होगा जहाँ हम अपने अधिकारों, अपने विचारों और अपनी मान्यताओं पर आधारित एक महान भारत का निर्माण कर सकें। डोभाल ने कहा कि भारत की प्राचीन सभ्यता उन्नत और शांतिपूर्ण थी, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि अतीत में सुरक्षा खतरों की अनदेखी ने कड़े सबक सिखाए हैं। उन्होंने भावी पीढ़ियों से इन सबकों को याद रखने का आग्रह किया और विस्मृति को देश के लिए सबसे बड़ी त्रासदी बताया।

हमारी सभ्यता अत्यंत विकसित थी। हमने किसी के मंदिर नहीं तोड़े। हमने कहीं लूटपाट नहीं की। जब बाकी दुनिया बेहद पिछड़ी हुई थी, तब हमने किसी देश या किसी विदेशी पर हमला नहीं किया। लेकिन हम अपनी सुरक्षा और खुद पर मंडरा रहे खतरों को समझने में नाकाम रहे। इतिहास ने हमें तब सबक सिखाया जब हम उनके प्रति उदासीन रहे। क्या हमने वह सबक सीखा? क्या हम उस सबक को याद रखेंगे? यदि आने वाली पीढ़ियाँ उस सबक को भूल जाती हैं, तो यह इस देश के लिए सबसे बड़ी त्रासदी होगी।

युवाओं को संबोधित करते हुए अजित डोभाल ने इतिहास पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस कार्यक्रम में कहा कि यह भारत वैसा आजाद नहीं था जैसा आप आज देखते हैं। हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया, अपमान सहा और कई लोगों को फांसी दी गई। भगत सिंह को फांसी दी गई, सुभाष चंद्र बोस ने पूरी जिंदगी संघर्ष किया और महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का रास्ता दिखाया। विक्षित भारत युवा नेता संवाद द्वितीय आज (शनिवार) से शुरू हुआ और 12 जनवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में चलेगा। विक्षित भारत युवा नेता संवाद का पहला संस्करण जनवरी 2025 में भारत मंडपम में आयोजित किया गया था।

टी20 विश्व कप से बाहर होने पर शुभमन गिल का दर्द, बोले– शकिस्मत पर भरोसा, टीम इंडिया को दी शुभकामनाएं

भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल ने टी20 विश्व कप 2026 में टीम से बाहर किए जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद से टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के उप–कप्तान रहे गिल को वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिल ने चयनकर्ताओं के इस फैसले को स्वीकार करते हुए कहा कि उन्हें अपने भाग्य पर भरोसा है और वे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह आश्वस्त हैं। शुभमन गिल ने भारत बनाम न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से पहले कहा कि सबसे पहले, मेरा मानना घ्है कि मैं अपने जीवन में वहीं हूँ जहाँ

मुझे होना चाहिए। मेरी किस्मत में जो लिखा है, वो मुझे मिलेगा। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं अपनी टीम को जीत दिलाना चाहता हूँ, लेकिन साथ ही मैं चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करता हूँ। मैं टी20 टीम को शुभकामनाएं देता हूँ। मुझे उम्मीद है कि वे विश्व कप जीतेंगे। पिछले साल एशिया कप से ठीक पहले शुभमन को टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने का मौका दिया गया था। भारतीय प्रबंधन को उम्मीद थी कि यह बहुमुखी बल्लेबाज आक्रामक बल्लेबाजी पंक्ति के साथ खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन करेगा। गिल ने संजू सैमसन की जगह ली, जिन्होंने पिछले 12 महीनों में 3 टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए थे। गिल ने सैमसन की जगह शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी की और अपने करीबी दोस्त अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की। यह कदम उल्टा पड़ गया और भारत को अपनी उस सहज और आक्रामक बल्लेबाजी से जूझना पड़ा, जो गौतम गंभीर की कप्तानी में उसकी पहचान बन चुकी थी। अंततः, टी20 विश्व कप से ठीक पहले गिल के प्रयोग को समाप्त कर दिया गया, क्योंकि चयनकर्ता इस बात पर अड़े थे कि सैमसन को बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर वापस लाना आवश्यक है।

टीम इंडिया के 'Ro-Ko' रीलोडेड, न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से पहले नेट्स पर जमकर बहाया पसीना

टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच से पहले जमकर अभ्यास शुरू कर दिया है। यह सीरीज 11 जनवरी से वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में शुरू होने वाली है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा ग पर अपलोड किए गए एक वीडियो में, विराट कोहली और रोहित शर्मा न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के पहले मैच से पहले भारतीय टीम के बाकी खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में, विराट और रोहित दोनों को नेट में बल्लेबाजी करते देखा जा सकता है। विराट अपने स्टाइलिश ऑफ–ड्राइव और अन्य कई शॉट्स पर काम कर रहे हैं, जबकि रोहित लेग–ग्लांस और अन्य शॉट्स का अभ्यास कर रहे हैं। वीडियो में ये दोनों स्टार भारतीय बल्लेबाज कैचिंग का अभ्यास, फील्डिंग ड्रिल और दौड़ लगाते हुए भी नजर आ रहे हैं। बीसीसीआई ने वीडियो पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, ष्रोको रीलोडेड। विराट कोहली, रोहित शर्मा भारत–न्यूजीलैंड वनडे के लिए तैयार हैं।ष

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से विराट कोहली और रोहित शर्मा की भारतीय टीम में वापसी होगी, और अब दोनों ही सिर्फ वनडे खिलाड़ी हैं। विराट ने दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों में 151.00 के औसत से 302 रन बनाकर श्प्लेयर ऑफ द सीरीजश का पुरस्कार जीता था, जिसमें दो लगातार शतक और एक अर्धशतक शामिल था। इसके बाद, विराट ने दिसंबर के अंत में दिल्ली के लिए विजय हजारे ट्रॉफी (वीएचटी) के दो मैच खेले, जो 15 साल बाद टूर्नामेंट में उनकी वापसी थी। उन्होंने आंध्र प्रदेश के खिलाफ 131 रन और गुजरात के खिलाफ 77 रन बनाए, हमेशा की तरह शानदार फॉर्म में दिखे और अपनी बल्लेबाजी से अपने सुनहरे दिनों की याद दिला दी।

दूसरी ओर, नंबर 1 वनडे बल्लेबाज रोहित ने प्रोटियाज सीरीज में 146 रन बनाकर शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ बरकरार रखी। विराट कोहली की टीम में वापसी करते हुए रोहित ने सिक्किम के खिलाफ 155 रन बनाए, लेकिन उत्तराखंड के खिलाफ गोल्डन डक पर आउट हो गए। विराट और रोहित दोनों ही न्यूजीलैंड सीरीज में भी अपने शानदार 50 ओवर के फॉर्मेट को जारी रखना चाहेंगे ताकि अगले साल होने वाले 2027 वनडे विश्व कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत बनाए रख सकें।

पायलट प्रशिक्षण में कथित खामियों के लिए डीजीसीए के जुर्माने के खिलाफ इंडिगो की अपील खारिज

इंडिगो ने कहा कि एक अपीलीय प्राधिकरण ने विमानन नियामक डीजीसीए द्वारा एयरलाइन के दो वरिष्ठ अधिकारियों पर लगाए गए जुर्माने के खिलाफ उसकी अपील को खारिज कर दिया है। यह जुर्माना कुछ हवाई अड्डों पर पायलट प्रशिक्षण के लिए योग्य सिमुलेटर का इस्तेमाल करने में कथित विफलता के लिए लगाया गया था। पिछले साल सितंबर में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के निदेशक उड़ान परिचालन और निदेशक प्रशिक्षण पर 20–20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। डीजीसीए अपीलीय प्राधिकरण ने सात जनवरी के एक आदेश में इस अपील को खारिज कर दिया है। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने बीएसई को बताया, इस मामले का निपटारा कंपनी के निदेशक उड़ान परिचालन और निदेशक प्रशिक्षण पर 20–20 लाख रुपये के जुर्माने को बहाल करते हुए किया गया है। नियामक ने यह जुर्माना श्रेणी सी के हवाई अड्डों पर पायलट प्रशिक्षण के लिए योग्य सिमुलेटर का उपयोग करने में एयरलाइन की कथित विफलता के कारण लगाया था। आमतौर पर, पायलटों को श्रेणी सी के हवाई अड्डों से उड़ानों के संचालन के लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, क्योंकि वहां परिचालन संबंधी चुनौतियां हो सकती हैं।

अमेरिका के ड्रामे पर भड़का भारत, ट्रंप के चमचे को तबीयत से धोया

भारत और अमेरिका पिछले साल 13 फरवरी से ही एक द्विपेक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध थे। तब से दोनों पक्षों ने एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापारिक समझौते पर पहुंचने के लिए कई दौर की बातचीत की है। अमेरिका लगातार भारत के साथ विवाद कर रहा है। पहले तो उसने टेरिफ लगाया। रशिया से दोस्ती उसके आंखों में गढ़ने लगी तो उसने और 25: टेरिफ लगा दिया। यह टैरिफ 50: हो गया। उसके बाद ट्रंप गाए बगाहे ऐसा बयान देते हैं जिससे भारत नाराज होता है। भारत की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने की कोशिश करते हैं। हाल में भी उन्होंने कहा कि भारत जो है वो उनसे मिलने के लिए प्लीज प्लीज कर रहा था। उनका यह भी दावा है कि भारत 68 अपाचे का आर्डर दे चुका है। 5 साल से नहीं मिल रहा था। जबकि वह आंकड़ा महज 28 अपाचे का है। तो यह तो इस तरह से माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अब क्या हुआ है कि एक ऐसा बयान दिया गया है जिस पर भारत भड़का है। भारत भड़का है तो उसने अमेरिका को आईना दिखा दिया है।

दरअसल भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर जो विवाद उपजा है उसको लेकर भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से स्थिति स्पष्ट की गई है। भारत ने अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड

लटनिक के बयान को शगलतश बता खारिज किया है। लुटनिक ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि दोनों देशों में ट्रेड डील पिछले साल इसलिए नहीं हो सकी क्योंकि पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को फोन नहीं किया। कहा था कि भारत–अमेरिका में ट्रेड डील पर बातचीत का निर्णय पिछले साल 13 फरवरी की बाइट हाउस में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की बैठक में लिया गया था। डील की तैयारी पूरी थी और उन्होंने (लटनिक) भारत से कहा था, आपको (पीएम मोदी) राष्ट्रपति को फोन करना होगा।श उनके अनुसार, भारत ऐसा करने में सहज नहीं था और पीएम मोदी ने फोन नहीं किया। इसके बाद अमेरिका ने इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम से डील कर ली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2025 में आठ मौकों पर फोन पर बात की थी, जिसमें संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई थी। जायसवाल ने कहा कि भारत–अमेरिका पिछले साल 13 फरवरी को ही डील पर बातचीत के लिए प्रतिबद्धः थे। कई मौकों पर हम सौदे के काफी करीब थे। इस बीच, शुक्रवार देर शाम भारत में नियुक्त अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर नई दिल्ली पहुंचे। गोर सोमवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से मुलाकात करेंगे।

डील को फोन कॉल से जोड़ना वास्तविकता से परे

लटनिक का दावा गले नहीं उतरता। इंडोनेशिया, वियतनाम और फिलीपींस से अमेरिकी डील जुलाई 2025 में पूरी हो गई थी। वॉशिंगटन ने जुलाई में ही तय कर लिया था कि केवल इसलिए डील नहीं होगी, क्योंकि पीएम मोदी ने फोन नहीं किया, तो महीनों बाद भी बातचीत जारी रखने का कोई कारण नहीं होता। डील नीतिगत बातचीत का हिस्सा है। इसे नेताओं के फोन कॉल से जोड़ना वास्तविकता से परे है। ट्रेड डील अनसुलझे नीतिगत मतभेदों जैसे टैरिफ, एग्रीकल्थर, रेगुलेटरी ऑटोनॉमी पर निर्भर करती हैं, न कि शिष्टाचार पर।

पहले गोली चलेगी, फिर होगी बात! इस देश ने ट्रंप को दी सीधी चेतावनी

अमेरिका और डेनमार्क के बीच ग्रीनलैंड को लेकर तनाव इस

कदर बढ़ गया कि डेनमार्क ने अपनी सेना को सीधा और खौफनाक आदेश दे दिया। अगर कोई घुसपैठ हुई तो कमांडर्स के आदेश का इंतजार मत करना। सीधे गोली चला देना। जी हां, डेनमार्क ने अमेरिका को साफ चेतावनी दे दी है कि ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोई भी कोशिश नेटो के खात्मे की शुरुआत होगी। डेनमार्क के रक्षा मंत्रालय ने अपने रुख को शीशे की तरह साफ कर दिया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक डेनमार्क ने अपने उस 1952 के आदेश को फिर से जिंदा कर दिया है जो नाजी जर्मनी के हमले के वक्त बनाया गया था। यह आदेश कहता है कि अगर कोई विदेशी ताकत डेनिश इलाके को धमकी देती है तो सैनिकों को ऊपर से आदेश मिलने का इंतजार नहीं करना है बल्कि तुरंत जंग शुरू करनी है। डेनमार्क की जॉइंट आर्कटिक कमांड अब यह तय करेगी कि ग्रीनलैंड में अमेरिकी सेना की किस हलचल को हमला माना जाएगा और कब ट्रिगर दबाना है। अब एक सवाल कि आखिर यह विवाद शुरू कहां से हुआ। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नजरें लंबे समय से ग्रीनलैंड की रणनीतिक खनिज और उसकी लोकेशन पर टिकी है। ट्रंप ने बार–बार धमकी दी है कि अगर जरूरत पड़ी तो वह इस द्वीप पर जबरदस्ती कब्जा कर लेंगे। ट्रंप का तर्क है कि वहां रूसी और चीनी जहाजों की मौजूदगी अमेरिका की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। कल ही अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वांस ने भी आग में घी डालते हुए कहा कि डेनमार्क आर्कटिक इलाके की सुरक्षा करने में फेल रहा है और दुनिया की रक्षा के लिए अमेरिका को वहां मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए कब्जा करना जरूरी है। डेनमार्क के प्रधानमंत्री ने अमेरिका को सख्त लहजे में कहा है कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका अपने ही नेटो सहयोगी देश पर सैन्य हमला करता है तो सब कुछ रुक जाएगा। यानी नेटो जैसा संगठन पल भर में इतिहास बन जाएगा। डेनमार्क का यह बयान बताता है कि यूरोप अब अमेरिका की दादागिरी के आगे घुटने नहीं टेकने वाला। अब एक सवाल कि क्या ट्रंप ग्रीनलैंड के लिए वाकई एक युद्ध छेड़ेगी? और क्या डेनमार्क की छोटी सी सेना दुनिया की सबसे बड़ी सैन्य शक्ति को रोकने का दम रखती है? यह सवाल अब पूरी दुनिया को डरा रहा है। एक बात तय है अगर अटलांटिक की बर्फ पर पहली गोली चली तो उसका शोर वाशिंगटन ही नहीं पूरी दुनिया की शांति को तबाह कर देगा।

ट्रंप टैरिफ के बदले भारत ने यहां कर दिया बड़ा खेल, कम किया अमेरिकी ट्रेजरी बिल की खरीद

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के बीच जारी टैरिफ तनाव के बीच भारत अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार रणनीतिक कदम उठा रहा है। इसी कड़ी में भारत ने पिछले एक साल के दौरान अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड में अपने निवेश में बड़ी कटौती की है। यह बदलाव संकेत देता है कि वैश्विक आर्थिक और भू–राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत अपनी विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व) नीति में धीरे–धीरे बदलाव कर रहा है और अब निवेश को अधिक विविध बनाने पर ध्यान दे रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी में भारत की हिस्सेदारी घटीः ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक, 31 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2025 के बीच भारत की अमेरिकी ट्रेजरी नोट्स में हिस्सेदारी करीब 21 प्रतिशत कम हो गई। इस दौरान निवेश 241.4 अरब डॉलर से घटकर 190.7 अरब डॉलर पर आ गया। पिछले चार वर्षों में यह पहली बार है जब अमेरिकी ट्रेजरी में भारत के निवेश में सालाना गिरावट दर्ज की गई है। इससे पहले यह निवेश या तो बढ़ रहा था या लगभग स्थिर बना हुआ था। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, 31 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2025 के बीच भारत की अमेरिकी ट्रेजरी नोट्स में हिस्सेदारी करीब 21 प्रतिशत घट गई। यह निवेश 241.4 अरब डॉलर से कम होकर 190.7 अरब डॉलर रह गया। पिछले चार सालों में यह पहली बार है जब भारत के अमेरिकी ट्रेजरी निवेश में सालाना गिरावट दर्ज की गई है। इससे पहले के वर्षों में यह निवेश या तो बढ़ रहा था या लगभग स्थिर बना हुआ था। यह गिरावट ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिकी बॉन्ड बाजार में रिटर्न (यील्ड) काफी आकर्षक था। इस दौरान 10 साल की अमेरिकी ट्रेजरी पर यील्ड करीब 4.0 से 4.8 प्रतिशत के बीच रही, जो आम तौर पर विदेशी निवेशकों को निवेश के लिए आकर्षित करती है।

दिसंबर में एसआईपी निवेश ने बनाया नया रिकॉर्ड हुआ 31,002 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली । एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी मासिक आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड (एमएफ) में 28,054.06 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जिसमें एसआईपी की भूमिका सबसे अहम रही। इस महीने सिस्टैमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ने अब तक का सबसे ज्यादा निवेश करते हुए एक नया रिकॉर्ड बनाया।

एएमएफआई के आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में म्यूचुअल फंड एसआईपी के तहत निवेश बढ़कर 31,002 करोड़ रुपए हो गया, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। नवंबर में यह राशि 29,445 करोड़ रुपए थी। इससे पता चलता है कि छोटे निवेशकों का भरोसा अभी भी बना हुआ है। इतना ही नहीं, दिसंबर में गोल्ड ईटीएफ फंड में 11,647 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जो नवंबर में 3,742 करोड़ रुपए था। इससे स्पष्ट है कि निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ा है।

हालांकि म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में दिसंबर में 66,591 करोड़ रुपए की निकासी दर्ज की गई, जबकि नवंबर में 32,755 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ था। हालांकि निवेश घटा है, फिर भी कुछ कैटेगरी में अच्छी हिस्सेदारी बनी रही।

एएमएफआई के मुताबिक, दिसंबर में सभी इक्विटी फंड कैटेगरी में नवंबर की तुलना में निवेश कम हुआ, लेकिन फ्लेक्सी–कैप फंड सबसे आगे रहे। फ्लेक्सी–कैप फंडों में निवेश बढ़कर 10,019 करोड़ रुपए हो गया, जबकि नवंबर में यह 8,135 करोड़ रुपए था। लार्ज–कैप फंड्स में दिसंबर में 1,567 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि नवंबर में यह 1,640 करोड़ रुपए था। वहीं, मिड–कैप फंड में 4,176 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया, जो नवंबर के 4,487 करोड़ रुपए से कम है। स्मॉल–कैप फंड में दिसंबर में 3,824 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि नवंबर में यह 4,407 करोड़ रुपए था।

सेक्टर और थीम आधारित फंड्स में निवेश में 49 प्रतिशत की गिरावट आई। दिसंबर में इस कैटेगरी में 946 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि नवंबर में यह 1,865 करोड़ रुपए था।

डेट म्यूचुअल फंड से दिसंबर में 1.32 लाख करोड़ रुपए की निकासी हुई, जो नवंबर में 25,692.63 करोड़ रुपए थी।

ओवरनाइट फंड्स में दिसंबर में 254.25 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि नवंबर में इसमें 37,624.5 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था। लिक्विड फंड्स से दिसंबर में 47,307.95 करोड़ रुपए की निकासी दर्ज की गई, जो नवंबर से अधिक है।

हाइब्रिड स्कीम्स में दिसंबर में 10,755.57 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि नवंबर में यह 13,299.20 करोड़ रुपए था। आर्बिट्राज फंड्स में भी इस महीने 126.31 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि नवंबर में इसमें 4,191.90 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया था। दिसंबर में कई नए फंड ऑफर भी लॉन्च किए गए। अन्य ईटीएफ कैटेगरी में सबसे अधिक 8 नए फंड शुरू किए गए, जबकि नवंबर में कुल 23 नए फंड लॉन्च हुए थे, जिनमें 4,074 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था। इससे पहले महीने में 24 नए फंड लॉन्च हुए थे, जिनमें 3,126 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया था।

आदर्श नगर पालिका बलरामपुर में बनेगा भव्य घंटाघर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। नगर की पहचान को नई ऊँचाई देने की दिशा में आदर्श नगर पालिका परिषद बलरामपुर द्वारा एक और महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू' के नेतृत्व में शहर के प्रमुख स्थल पर भव्य घंटाघर के निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र ही प्रारंभ होने जा रही है। यह परियोजना नगर के सौंदर्यीकरण के साथ–साथ आधुनिक शहरी विकास की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रस्तावित घंटाघर न केवल शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करेगा,बल्कि यह आमजन के लिए एक आकर्षण का केंद्र भी बनेगा। घंटाघर का निर्माण आधुनिक वास्तुकला के अनुरूप किया जाएगा, जिसमें गुणवत्ता,मजबूती और सौंदर्य का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष डॉ.धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू' का स्पष्ट विजन है कि बलरामपुर को एक सुव्यवस्थित, सुंदर और आधुनिक नगर के रूप में विकसित किया जाए। इसी क्रम में घंटाघर परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया गया है। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद इसे निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराने का लक्ष्य रखा गया है। नगरवासियों में इस परियोजना को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। लोगों का मानना है कि भव्य घंटाघर के निर्माण से शहर की पहचान और गौरव में वृद्धि होगी तथा यह आने वाले समय में बलरामपुर की एक विशिष्ट पहचान बनेगा।

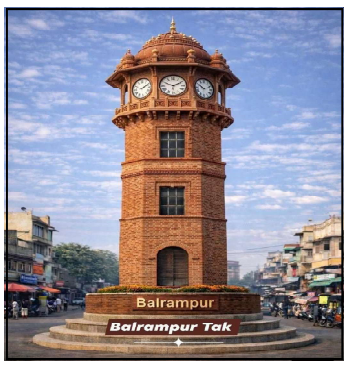

मनरेगा बचाओ संग्राम : कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार को घेरा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को कमजोर किए जाने के विरोध में आज जिले में "मनरेगा बचाओ संग्राम" के तहत कांग्रेस द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेताओं ने केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार पर मनरेगा को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने का आरोप लगाया। प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने कहा कि "मनरेगा गरीब मजदूरों के लिए जीवन रेखा है, लेकिन भाजपा सरकार इसे बोझ मानकर समाप्त करने की साजिश कर रही है। समय पर काम नहीं दिया जा रहा और मजदूरी भुगतान महीनों तक लटकाया जा रहा है, जो सीधे तौर पर संविधान का उल्लंघन है।" जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने कहा कि "ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी भयावह स्थिति में है, इसके बावजूद मनरेगा के काम बंद पड़े हैं। सरकार की नीतियां मजदूर विरोधी हैं और इसका खामियाजा गरीब परिवार भुगत रहे हैं।" पूर्व जिला अध्यक्ष अनुज सिंह ने आरोप लगाया कि "ऑनलाइन हाजिरी और तकनीकी शर्तों के नाम पर मजदूरों को काम से वंचित किया जा रहा है। जिन गांवों में नेटवर्क नहीं है, वहां मनरेगा केवल कागजों तक सीमित कर दी गई है।" मनरेगा बचाओ कोऑर्डिनेटर विनय कुमार मिश्रा ने कहा कि "अगर सरकार वास्तव में गरीबों के साथ है तो मनरेगा को मजबूत करे, मजदूरी का तत्काल भुगतान सुनिश्चित करे और 100 दिन का रोजगार हर जरूरतमंद को दे। अन्यथा कांग्रेस मनरेगा बचाओ संग्राम को और व्यापक रूप देगी।" प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि मनरेगा मजदूरों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को गांव–गांव तक फैलाया जाएगा।

नहर का बंधा कटने से किसानों की मेहनत पर पानी फिरा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के रेहरा बाजार क्षेत्र के ग्राम बिशुनपुर खरहना के मजरा हनुमानपुरवा गांव के पास इटवा रजवाहा माइनर नहर का बंधा कटने से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है। किसानों की लगभग 250 बीघा गेहूं सरसों, आलू व मटर की फसल जलमग्न हो गई है। किसानों का आरोप है कि बीती रात नहर विभाग द्वारा क्षमता से अधिक पानी छोड़ा गया, जिससे पानी का बहाव बढ़ गया। दबाव बढ़ने से बंधा कट गया और खेतों में तेज बहाव के साथ पानी भर गया। सुबह होते ही किसान खेतों की हालत देखकर आक्रोशित हो गए और मौके पर विरोध प्रदर्शन किया।

जिला महिला चिकित्सालय का हुआ औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। उपाध्यक्ष द्वारा जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण के दौरान अस्पताल की साफ–सफाई व्यवस्था, चिकित्सीय सुविधाओं तथा महिला रोगियों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का गहन अवलोकन किया गया। उन्होंने अस्पताल परिसर की स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ किए जाने के निर्देश औचक निरीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को दिए।

निर्माणाधीन रिंग रोड का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

बारिश से पूर्व कार्य पूर्ण कराने के दिए कड़े निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद में चल रहे निर्माणाधीन रिंग रोड कार्य की प्रगति का जायजा लेने हेतु जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन द्वारा मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण की गुणवत्ता, कार्य की गति, तकनीकी मानकों एवं समयबद्धता की विस्तार से समीक्षा की। जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्था एवं निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि रिंग रोड का निर्माण कार्य हर हाल में बारिश शुरू होने से पूर्व पूर्ण किया जाए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सड़क निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता। जिलाधिकारी ने रिंग रोड के दोनों कल्वर्ट/पुलिया आदि के कार्यों की भी समीक्षा की और आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि कार्यस्थल पर आवश्यक सेफ्टी मानक, बैरिकेडिंग तथा श्रमिकों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के अंत में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन उपलब्ध कराई जाए, जिससे कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हो सके।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के विकास कार्यों की रैंकिंग में जनपद को मिला 36वां स्थान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोण्डा के डीएम मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के विकास कार्यों की रैंकिंग में जनपद को मिला 36वां स्थान प्रियंका निरंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी के कुशल निर्देशन तथा प्रभावी अनुश्रवण के परिणामस्वरूप जनपद गोण्डा के विकास कार्यों की प्रगति में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है।गत माह विकास कार्यों की रैंकिंग में जनपद 64वें स्थान पर था,जबकि इस माह उल्लेखनीय सुधार करते हुए जनपद ने 36वाँ स्थान प्राप्त किया है।यह उपलब्धि प्रशासनिक अधिकारियों, संबंधित विभागों तथा फील्ड स्तर पर कार्यरत कार्मिकों के सतत प्रयासों का परिणाम है।विकास के कुल 107 मदों में से 74 मदों में जनपद को 'I' श्रेणी प्राप्त हुई है, जो कि विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और समयबद्ध प्रगति को दर्शाता है।शेष मदों में भी अपेक्षित सुधार हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है,जिससे आगामी माह में और बेहतर रैंकिंग प्राप्त की जा सके।प्रशासन का स्पष्ट लक्ष्य गोण्डा को प्रदेश के शीर्ष 10 जनपदों में सम्मिलित करना है, जिसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि पंचायतों में धनराशि व्यय की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है।इसके अतिरिक्त ओडीओपी टूल किट वितरण, फैमिली आईडी निर्माण, अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति सहित अन्य छात्रवृत्ति योजनाओं में विद्यालयों द्वारा डेटा ट्रांसफर में शिथिलता देखी गई।कुछ निर्माण कार्यों को निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूर्ण न किए जाने की स्थिति भी सामने आई है।उक्त कमियों को गंभीरता से लेते हुए डीएम एवं सीडीओ द्वारा संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। आगामी माह इन सभी बिंदुओं पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

डीएम की अध्यक्षता में कोतवाली देहात एवं नगर में थाना समाधान दिवस संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिलाधिकारी इस अवसर पर बड़ी संख्या में विपिन कुमार जैन एवं पुलिस फरियादी उपस्थित रहे। डीएम अधीक्षक विकास कुमार की अध्यक्षता में कोतवाली देहात एवं कोतवाली नगर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। द्वारा एक–एक कर शिकायतकर्ताओं की समस्याएं/शिकायतें गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना गया।

बाल श्रम की रोकथाम हेतु चला चेकिंग अभियान,प्रतिष्ठान मालिकों को बालश्रम कानून की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में शासन द्वारा बाल और किशोर श्रम मुक्त अभियान,मानव तस्करी और तस्करी प्रवासी,बाल श्रम,भिक्षावृत्ति और बाल विवाह के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के निर्देशानुसार एवं नोडल अधिकारी श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत के कुशल मार्गदर्शन में थाना एएचटीयू टीम द्वारा कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत संयुक्त जन–जागरूकता अभियान संचालित किया गया।इस अभियान में श्रम विभाग, चाइल्ड हेल्पलाइन, अपराजिता सामाजिक समिति एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट जनपद गोण्डा की टीम सम्मिलित रही।अभियान का मुख्य उद्देश्य अनैतिक देह व्यापार,मानव तस्करी,भिक्षावृत्ति उन्मूलन तथा बाल श्रम की रोकथाम के संबंध में आमजन को जागरूक करना तथा "बचपन बचाओ, शिक्षा दिलाओ – पढ़ेगा भारत तभी बढ़ेगा भारत" संदेश का प्रसार करना रहा।दौरान अभियान 01 सेवा नियोजक द्वारा 01 नाबालिग बालक से बाल श्रम कराए जाने की पुष्टि हुई,जिनके विरुद्ध श्रम प्रवर्तन अधिकारी सत्येन्द्र प्रताप द्वारा विधिक कार्यवाही करते हुए निरीक्षण टिप्पणी काटी गई।जनजागरूकता के दौरान आमजन को निम्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों 1090 महिला हेल्पलाइन,112 आपातकालीन सेवा, 181 महिला शक्ति हेल्पलाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन,1098 चाइल्ड हेल्पलाइन,108 स्वास्थ्य सेवा, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी गई।एएचटीयू प्रभारी ने लोगों से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें। यदि किसी को चाय,होटल या ढाबे पर बच्चों को काम करते हुए देखें, तो उसे रोकें।

पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी के प्रयास से श्रावस्ती वन्य प्रभाग से पृथक हुए पयागपुर एवं विशेश्वरगंज वन क्षेत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। विधायक सुभाष त्रिपाठी के प्रयासों से पयागपुर और विशेश्वरगंज वन्य क्षेत्र को श्रावस्ती वन्य प्रभाग से अलगकर बहराइच वन्य प्रभाग में शामिल किया गया है। इस आशय के आदेश उत्तर प्रदेश शासन के विशेष सचिव नीरजा सक्सेना द्वारा 9 जनवरी को दिए गए है। इस संबंध ने राष्ट्रीय दैनिक आज के तहसील प्रतिनिधि आनंद शुक्ल से बात करते हुए विधायक सुभाष त्रिपाठी ने बताया कि 25 मई 1997 को श्रावस्ती जनपद का गठन होने पर जून 1997 में पयागपुर और विशेश्वरगंज क्षेत्र को मिलते हुए श्रावस्ती वन प्रभाग की स्थापना की गई थी। भौगोलिक और प्रशासनिक .ष्टिकोण से पयागपुर और विशेश्वरगंज क्षेत्रवासियों की मांग पर तत्कालीन एमएलसी रहे सुभाष त्रिपाठी के प्रयासों से इन दोनों क्षेत्रों और पयागपुर दोनों क्षेत्र तो बहराइच में शामिल हो गए किंतु वन्य प्रशासन श्रावस्ती वन प्रभाग से ही संचालित होता आ रहा था जिससे यहां के निवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, साथ ही बघेल के तट पर विकास कार्यों के लिए भी काफी लिखा पढ़ी करनी पड़ती थी।विधायक पयागपुर ने शासन स्तर पर इस समस्या के समाधान के लिए प्रयास किया। अंततः बीती 9 जनवरी को शासन के विशेष सचिव नीरजा सक्सेना द्वारा पयागपुर और विशेश्वरगंज को श्रावस्ती के बजाय बहराइच वन प्रभाग में शामिल करने के आदेश निर्गत किए गए है।क्षेत्रीय लोगों ने विधायक सुभाष त्रिपाठी के प्रति इस कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

अपना दल एस के बौद्धिक मंच जिलाध्यक्ष बने अनुपम शुक्ला

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के अनुपम शुक्ला को मिला अपना दल एस के जिलाध्यक्ष (बौद्धिक मंच) का पदभार दिया गया।इस सम्बन्ध में जिलाध्यक्ष (बौद्धिक मंच) अनुपम शुक्ला ने बताया कि मेरे द्वारा पार्टी में सक्रिय भूमिका को देखते हुए इस पद का पदभार दिया गया है। शुक्ल ने बताया की जिलाध्यक्ष रामदीन वर्मा ने भरोसा करके पद दिया है तो उस भरोसे पर खरा उतरना है और आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

ज़ीरो फेटालिटी डिस्ट्रिक्ट कार्यक्रम के तहत पुलिस कर्मियों को सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में ज़ीरो फेटालिटी डिस्ट्रिक्ट कार्यक्रम के अंतर्गत पुलिस लाइन के लव–कुश सभागार में पुलिस कर्मियों के लिए सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व क्षेत्राधिकारी यातायात श्री आलोक कुमार सिंह ने किया। प्रशिक्षण में सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित सहायता देने हेतु सीपीआर, गोल्डन आवर में आवश्यक कार्रवाई तथा मक।त से संबंधित व्यावहारिक जानकारी दी गई। जिला चिकित्सालय भिनगा के डॉक्टर शिवपूजन मौर्य ने सीपीआर एवं प्राथमिक उपचार की सही विधियों पर विस्तृत प्रकाश डाला। इसके साथ ही यातायात नियमों के प्रभावी प्रवर्तन हेतु स्पीड रडार, बॉडी वॉर्न कैमरा और ब्रीथ एनालाइज़र जैसे आधुनिक उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को शून्य करना तथा पुलिस की त्वरित व प्रभावी प्रतिक्रिया क्षमता को सु.ढ़ बनाना है। प्रशिक्षण में क्रिटिकल कॉरिडोर टीम, जांच अधिकारी, यातायात पुलिस एवं रिक्रूट आरक्षियों ने सहभाग किया।

थाना सिरसिया पुलिस द्वारा सनसनीखेज हत्या का सफल खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में थाना सिरसिया पुलिस टीम ने एक सनसनीखेज हत्या कांड का सफल अनावरण करते हुए घटना में प्रयुक्त उपकरणों के साथ एक शातिर अभियुक्त को गिरतार किया है। दिनांक 01/02.01.2026 की रात्रि थाना क्षेत्र के ग्राम बरगदवा दा. शाहपुर में युवती सुनीता की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में थाना सिरसिया पर मु.अ.सं. 09/2026 धारा 103(1) बीएनएस पंजी.त किया गया था। विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त आकाश कशौधन पुत्र अवधेश कुमार कशौधन, निवासी जोखवा बाजार का नाम प्रकाश में आया, जिस पर धारा 241 व 238 बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। पुलिस ने 10.01.2026 को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को हथिया कुंडा नाला पुल, पंडित पुरवा के पास से गिरतार कर लिया। अभियुक्त की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक सरिया का टुकड़ा व एक लकड़ी बरामद की गई। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसका मृतका से प्रेम संबंध था, लेकिन उसकी अन्यत्र शादी तय होने की जानकारी मिलने पर वह आक्रोशित हो गया। इसी आवेश में उसने रात्रि के समय सुनीता के घर पहुंचकर लकड़ी व सरिये से वार कर उसकी हत्या कर दी। अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

स्वैच्छिक रक्तदान देश व समाज के लिए बेहद जरूरीः अरुण कुमार मिश्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। कचहरी परिसर स्थित सोनभद्र बार एसोसिएशन प्रांगण में शुक्रवार को सोनभद्र बार एसोसिएशन एवं उत्सव ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में स्वैक्षिक रक्तदान शिविर का भव्य आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में 19 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्षता कर रहे उत्सव ट्रस्ट के संरक्षक स्वामी अरविंद सिंह के साथ मुख्य अतिथि सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र एडवोकेट, विशिष्ट अतिथि महामंत्री अखिलेश कुमार पाण्डेय एडवोकेट, बार के पूर्व अध्यक्ष, महामंत्री आदि पदाधिकारीयों, सोनभद्र बार एसोसिएशन निर्वाचन सत्र 2026 – 27 के समस्त प्रत्याशियों सहित उपस्थित विद्वान अधिवक्ताओं, गणमान्य व्यक्तियों के साथ उत्सव ट्रस्ट रक्तदान विभाग के निदेशक डॉ अजय कुमार शर्मा, सह निदेशक कुंदन कुमार सिंह, विशेष दुबे, पंकज कनोडिया, ट्रस्टी आशीष कुमार पाठक आदि ने सर्व प्रथम सोनभद्र बार एसोसिएशन के प्रांगण में प्रतिष्ठित डॉ राजेंद्र प्रसाद जी की मूर्ति पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पण कर तत्पश्चात् मुख्य अतिथि द्वारा फीता काट कर सोनभद्र बार एसोसिएशन के अधिवक्ता विजय प्रकाश मालवीय एवं उत्सव ट्रस्ट के सह निदेशक अनिल कुमार शर्मा द्वारा सर्व प्रथम रक्तदान कर किया गया। पहली बार रक्तदान करने वालों में श्रवण कुमार (मक्खन चाय वाले), आयुष केशरी एडवोकेट, किशन मेहता एडवोकेट के साथ अनिल कुमार शर्मा, विजय प्रकाश मालवीय एडवोकेट, विशेष दुबे सह निदेशक उत्सव ट्रस्ट, पंकज कनोडिया एडवोकेट, द्वारिका नाथ नागर एडवोकेट, संजय कुमार पाण्डेय एडवोकेट, आसमा रब्बानी एडवोकेट, ललित सक्सेना एडवोकेट, शोभित श्रीवास्तव एडवोकेट, अमन तिवारी एडवोकेट, राजीव कुमार सिंह गौतम एडवोकेट, धनंजय शुक्ला एडवोकेट, कुशकान्त मौर्य एडवोकेट, कपिल कुमार एडवोकेट, उत्कर्ष दीक्षित एडवोकेट, अम्ब्रिश कुमार पाठक न्यायिक कर्मचारी जनपद न्यायालय सोनभद्र ने रक्तदान किया। श्याम किशोर मिश्रा एडवोकेट, राधेश्याम एडवोकेट, शालिनी चतुर्वेदी एडवोकेट एवं बृजेश पाण्डेय एडवोकेट ने रजिस्ट्रेशन कराया था, लेकिन 23 रजिस्ट्रेशन में एक महिला अधिवक्ता आसमा रब्बानी सहित कुल 19 लोगों ने ही रक्तदान किया। मुख्य अतिथि सोनभद्र बार एसोसिएशन अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र ने स्वैच्छिक रक्तदान को देश व समाज के लिए बेहद जरूरी कार्य बताते हुए इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु उत्सव ट्रस्ट परिवार को धन्यवाद एवं शुभकामनाएं दी। विशिष्ट अतिथि महामंत्री अखिलेश कुमार पाण्डेय ने रक्तदान को महादान बताते हुए ऐसे कार्यक्रमों को लगातार कराते रहने का संकल्प लिया। संरक्षक उत्सव ट्रस्ट स्वामी अरविंद सिंह ने रक्तदान से स्वास्थ्य लाभों को बताते हुए 64 वर्ष की उम्र में भी रक्तदान करने एवं ट्रस्टी उत्सव ट्रस्ट आशीष कुमार पाठक एडवोकेट ने रक्तदान को जीवन को सार्थकता प्रदान करने वाला निःस्वार्थ सेवा कार्य बताया। रक्तदान शिविर में शुगर, हेमोग्लोबिन, वजन, बी०पी० आदि के जांच की सुविधा के साथ ही उपस्थित जन समुदाय के लिए चाय, काफी, फल, नास्ता आदि की भी व्यवस्था रही। कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह, रक्तदानियों को प्रमाण पत्र आदि प्रदान कर भारत माता की जय, वंदे मातरम, अधिवक्ता एकता जिंदाबाद एवं रक्तदान महादान के उद्घोष के साथ किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे महिला अधिवक्ताओं पूनम सिंह एडवोकेट पूर्व अध्यक्ष सोनभद्र बार एसोसिएशन, आसमा रब्बानी एडवोकेट, गीता गौर एडवोकेट, सरिता सिंह एडवोकेट, सुशीला वर्मा एडवोकेट, पुष्पा तिग्गा एडवोकेट, शालिनी चतुर्वेदी एडवोकेट के साथ राजेश पाठक एडवोकेट, अतुल कुमार पटेल एडवोकेट, संजय कुमार पाण्डेय एडवोकेट, पंकज यादव एडवोकेट, धनंजय शुक्ला एडवोकेट, मुनिराज शाह एडवोकेट, पवन केशरी एडवोकेट, राकेश भारती एडवोकेट, रमेश कुमार पाल एडवोकेट, अविनाश त्रिपाठी एडवोकेट, धीरज पाण्डेय एडवोकेट आदि के साथ ब्लड बैंक के चिकित्साधिकारी डॉक्टर शुभम जैश, स्टाफ नर्स सरोज देवी, डॉक्टर रवींद्र प्रसाद काउंसलर, एलटी अभय कुमार व अखिलेश सिंह, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी दिनेश केशरी व बी०सी०टी०वी० वैन चालक उमेश चौबे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन उत्सव ट्रस्ट के रक्तदान विभाग के निदेशक डॉ अजय कुमार शर्मा ने किया।

सपा कार्यालय पर बिजय सिंह गौड़ को दी गयी श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को की गई एवं आदिवासियों के चिंतक विजय सिंह गौड़ को श्रद्धांजलि अर्पित की गई । श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी सांसद छोटे लाल सिंह खरवार ने कहा कि प्रदेश की अंतिम विधानसभा क्षेत्र दुद्धी के आठ बार विधायक आदिवासियों के नेता विजय सिंह गौड़ 1979 में वनवासी सेवा आश्रम में कार्य करते हुए सामाजिक सेवा की शुरुआत की वहां पर मंत्रध200 मासिक मानदेय पर कार्य करते हुए आदिवासियों को आगे बढ़ने का काम किया आज हम लोग ऐसे नेता को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं जिसकी कमी हम लोगों को हमेशा खलती रहेगी । श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि आदिवासियों के ऐसे नेता थे उनके निधन पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी ने एसजीपीजीआई पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और श्रद्धांजलि तर्पित करते हुए उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में सहनशक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उनके नाम 1979 से 2017 तक लगातार सात बार जीत का भी रिकॉर्ड है वह नेताजी के साथ रहकर आदिवासियों के लिए ऐतिहासिक कार्य किए समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी की सरकार में दूधी और ओबरा सीटों को अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित करने का काम किया इसी के साथ 17 जातियों को अनुसूचित जाति से अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने का भी काम किया उनके जाने से समाजवादी पार्टी की अपूर्ण क्षति हुई है जिसकी भरपाई कभी नहीं हो पाएगी समाजवादी पार्टी दिग्वत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का शोक सभा की और परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की श्रद्धांजलि सभा को संबंध करते हुए समाजवादी अनुसूचित जनजाति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री श्री व्यास जी गॉड ने कहा कि आज हम लोग ऐसे आदिवासी नेता को श्रद्धांजलि दे रहे हैं जो हमेशा आदिवासियों की लड़ाई लड़ने का काम किया और समाजवादी पार्टी की सरकार में आरक्षण को लागू कराकर हर वर्ग को सड़क से सदन तक पहुंचाने का काम किया था।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक पूर्व जिला अध्यक्ष अविनाश कुशवाहा पूर्व विधायक रमेश चंद दुबे पूर्व जिला अध्यक्ष रविद बहादुर सिंह पटेल श्याम बिहारी यादव संजय यादव विजय यादव मोहम्मद सईद कुरैशी डॉक्टर रवि कुमार गौड़ सुनील गौड़ बाबूलाल यादव अवध नारायण यादव परमेश्वर यादव अनिल प्रधान महिला सभा जिला अध्यक्ष गीता गौर मुनीर अहमद चौधरी यशवंत सिंह राम भरोसे सिंह पटेल लाल बहादुर पाल त्रिपुरारी गौड़ अशोक पटेल रमेश सिंह यादव शिवनारायण चौहान जयप्रकाश पांडेय हिदायत उल्ला खान विपिन श्रीवास्तव मन्नू पांडे सूरज मिश्रा पीयूष सत्यम पांडे फारूक अली जिलानी अजीत मौर्य प्रदीप कनौजिया प्रमोद बाबू हाशमी लालबरत यादव दीपक केसरी जगत पटेल बाबू हाशमी मनीष कुमार त्रिपाठी अखिलेश यादव भारत सिंह पटेल राजनाथ उमेश मिश्रा बाबुंदर आदिल अंसारी हरिशंकर विश्वकर्मा दिनेश सरोज प्रदीप कुमार मनोज कुमार सिंह श्याम बिहारी जायसवाल दिनेश पटेल बबलू गौतम सुभाष जोखन धर्मदेव यादव सूरज मिश्रा रवीना रानी .ष्ण यादव सत्येंद्र कुमार वीरेंद्र यादव आदि लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

थाना समाधान दिवस पर मण्डलायुक्त विंध्याचल मण्डल एवं आईजी ने सुनी जनसमस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। थाना समाधान दिवस के अवसर पर मण्डलायुक्त, विंध्याचल मण्डल एवं पुलिस महानिरीक्षक रेंज मिर्जापुर आर.पी.

सिंह द्वारा जनपद के थाना करमा में उपस्थित होकर आमजन की समस्याएं सुनी गईं। समाधान दिवस के दौरान विभिन्न प्रकार की शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका गम्भीरतापूर्वक अवलोकन किया गया। विशेष रूप से राजस्व सम्बन्धित शिकायतों के त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण हेतु मण्डलायुक्त एवं आईजी रेंज मिर्जापुर द्वारा राजस्व विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर जांच करने तथा नियमानुसार शीघ्र कार्यवाही कर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों द्वारा उपस्थित फरियादियों को आश्वस्त किया गया कि जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं पारदर्शी निस्तारण किया जाएगा तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थाना समाधान दिवस का उद्देश्य जनता की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय भी उपस्थित रहे। जनपद पुलिस एवं प्रशासन आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु सदैव प्रतिबद्ध है।

विधायक खेल महाकुंभ क्रिकेट मैच मुकाबला नगवा व चतरा के बीच

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सदर विधायक श्भूपेश चौबे द्वारा आयोजित विधायक

खेल महाकुंभ के आज 17 में दिन लेदर बाल के क्रिकेट मैच का मुकाबला नगांव और चतरा के बीच भाजपा पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राम लखन सिंह ,विकाश मिश्रा,रजनीश रघुवंशी के द्वारा टास कराकर मैच का शुभारंभ किया गया, चतरा की टीम टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित,20 ओवर में 08 विकेट खोकर 131 रनों का स्कोर खड़ा किया, चतरा की तरफ से विवेक ने 56 रन बनाकर अपनी टीम का स्कोर 131 पर पहुंचाया वहीं नगवां की तरफ से अभिनव ने 4 विकेट चटकाए , जवाब में निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी हिंडालको की टीम 20 ओवर के इस मुकाबले में 15.3 ओवर में,02 विकेट खोकर इस मैच को 08 विकेट से जीत कर आगामी मैच में अपनी जगह पक्की कर ली नगवा की तरफ से रूपेश ने नाबाद 70 रन बनाए , नगवा की तरह से अपने टिम के लिए 04 विकेट चटकाने वाले को अभिनव को विश्व पर्यावरण बैंक के संरक्षक क्रांति सिंह , व डा0भ्च सिंह चुर्क मंडल के अध्यक्ष श्री दिलीप चौबे व विकाश मिश्रा के द्वारा मैंन आफ द मैच का पुरस्कार दिया गया, खेल में, रॉबर्ट्सगंज के वरिष्ठ क्रिकेटर राम सिंह,पूर्व ब्लाक प्रमुख रमेश मिश्रा,नगर महामंत्री श अनूप त्रिपाठी , पूर्व जिला मंत्री सुनील सिंह पूर्व नगर अध्यक्ष विमलेश पटेल महेवा ग्राम प्रधान श्निशांत पटेल , पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा श्बलराम सोनी,नवल बाजपेई विकास मिश्रा राजेश चौबे व अन्य सभी खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

एसपी ने थाना बीजपुर पर सुनी जनसमस्या, किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। एस पी ने थाना बीजपुर का शनिवार को किया निरीक्षण आगमन पर सलामी गार्द द्वारा विधिवत सलामी दी गई, जिसे पुलिस अधीक्षक द्वारा अभिवादन स्वरूप स्वीकार किया गया। समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का व्यापक आयोजन किया गया। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा थाना बीजपुर पर उपस्थित होकर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा प्राप्त प्रार्थना पत्रों का गंभीरतापूर्वक अवलोकन किया गया। थाना समाधान दिवस के दौरान आमजन द्वारा भूमि/राजस्व विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, अवैध कब्जा, रास्ते के विवाद एवं अन्य स्थानीय समस्याओं से संबंधित शिकायतें प्रस्तुत की गईं। प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनते हुए अधिकारियों द्वारा निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। विशेष रूप से भूमि एवं राजस्व से संबंधित प्रकरणों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों को मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए तथ्यों की जांच करने, दोनों पक्षों को सुनने तथा नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि किसी भी प्रकरण में अनावश्यक विलंब न किया जाए तथा शिकायत की प्रगति से फरियादी को समय–समय पर अवगत कराया जाए। कम्बल वितरण कार्यक्रम– इसी क्रम में थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना बीजपुर परिसर में कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें थाना क्षेत्र के बुजुर्ग, असहाय एवं जरूरतमंद नागरिकों को पुलिस अधीक्षक द्वारा कम्बल वितरित किए गए।

कार्यक्रम के अंतर्गत कुल लगभग 500 व्यक्तियों को कम्बल वितरित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित महिलाओं एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद करते हुए महिला सुरक्षा, कानून–व्यवस्था एवं जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के संबंध में जानकारी दी गई तथा पुलिस से निर्भीक होकर संपर्क करने हेतु प्रेरित किया गया। इस पहल की उपस्थित जनसमुदाय द्वारा सराहना की गई। थाना बीजपुर का निरीक्षण– कम्बल वितरण कार्यक्रम के उपरांत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा थाना बीजपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, अभिलेख, मालखाना, हवालात, साफ–सफाई एवं कानून–व्यवस्था से संबंधित व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया गया तथा संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही फरियादियों के साथ शालीन व्यवहार, समयबद्ध निस्तारण एवं जनविश्वास बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया। पिंक बूथ का उद्घाटन– पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा की उपस्थिति में स्कूली एवं कॉलेज की छात्राओं द्वारा बीजपुर मार्केट में नव निर्मित पिंक बूथ का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया गया। महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा एवं शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से स्थापित इस पिंक बूथ के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को एक सुरक्षित, संवेदनशील एवं सहयोगात्मक वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे निर्भीक होकर अपनी समस्याएं एवं शिकायतें पुलिस के समक्ष रख सकेंगी।

कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डाक्टर अमरेश मनोनीत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में कांग्रेस के चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्षों को मनोनियां की दी मंजूरी जिसके क्रम में जनपद सोनभद्र में कांग्रेस के चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष पद पर डॉक्टर अमरेश कुमार को मनोनीत किया है चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मनोनीत होने पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामराज सिंह गौड़ शहर अध्यक्ष हाजी फरीद अहमद पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश देव पांडे जिला उपाध्यक्ष बृजेश तिवारी आरटीआई के जिला अध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शशांक मिश्रा सेवादल के जिला अध्यक्ष कौशलेश पाठक महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष उषा चौबे ने डॉक्टर अमरेश कुमार को चिकित्सा प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष बनाएजान पर हर्ष जताया और बधाई दी।

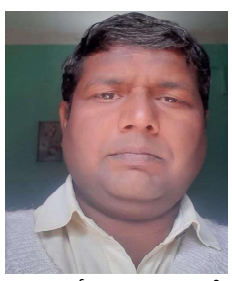

मिशन शक्ति 5.0 के तहत सोनभद्र पुलिस का व्यापक जन–जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को सु.ढ़ करने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत जनपद में पुलिस द्वारा व्यापक एवं प्रभावी जन–जागरूकता अभियान संचालित किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँच बनाते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा पुलिस द्वारा उपलब्ध सहायता संसाधनों की जानकारी देना रहा। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी सहायक नोडल अधिकारी.मिशन शक्ति 5.0 के नेतृत्व में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, बाजारों एवं प्रमुख चौराहों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराधों से बचाव, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, कार्यस्थल पर उत्पीड़न जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, आपात परिस्थितियों में त्वरित पुलिस सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं तथा आत्मरक्षा से संबंधित उपयोगी एवं व्यावहारिक सुझाव भी प्रदान किए गए। महिलाओं को बिना भय पुलिस से संपर्क करने एवं किसी भी प्रकार की घटना की सूचना तत्काल देने हेतु प्रेरित किया गया। सोनभद्र पुलिस जनसामान्य से अपील करती है कि महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित किसी भी आपात स्थिति अथवा अपराध की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाना या उपरोक्त हेल्पलाइन नंबरों पर दें। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं विश्वास बनाए रखना सोनभद्र पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई मजबूतीः प्रभारी मंत्री

कुशीनगर,। जनपद के प्रभारी मंत्री राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात उ०प्र० दिनेश प्रताप सिंह ने विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण भीबी जी राम जी विधेयक को ग्रामीण भारत के लिए एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक पुराने मनरेगा कानून की कमियों को दूर करते हुए ग्रामीण रोजगार, आय सुरक्षा और टिकाऊ अधोसंरचना को नई दिशा देगा। उक्त बातें प्रभारी मंत्री श्री सिंह जनपद मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में कहीं। उन्होंने बताया कि इस नए विधेयक के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के इच्छुक ग्रामीण सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाएगी। जबकि पहले यह सीमा 100 दिनों तक ही थी। इससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि होगी और आजीविका अधिक सुरक्षित बनेगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

ओ रोमियो का फर्स्ट लुक आया सामने, खूंखार अंदाज में दिखे शाहिद कपूरय 13 फरवरी रिलीज होगी फिल्म

शाहिद कपूर की मच अवेटेड फिल्म ओ रोमियो का फर्स्ट लुक आज सामने आ गया है। इस पहले लुक में शाहिद काफी खूंखार अंदाज में नजर आ रहे हैं। लाल रंग के बैकग्राउंड में शाहिद का चेहरा खून से लथपथ दिख रहा है। वहीं वो जोश में चीखते दिख रहे हैं। पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद और विशाल भारद्वाज एक बार फिर कमीने जैसा कुछ अलग लाने वाले हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी साफ कर दिया है कि फिल्म की पहली झलक या टीजर कल सामने आएगा। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है।

विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस फिल्म की झलक पाने के लिए बेकरार थे। अब शाहिद कपूर के इस पहले पोस्टर को ही देखकर फैंस उत्साहित हो गए हैं। पोस्टर में शाहिद का खूंखार अंदाज तो दिख ही रहा है, जिसमें उनके हाथ पर बना टैटू और कई ब्रेसलेट लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इस पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद एक और विशाल भारद्वाज मिलकर एक बार फिर कुछ अलग और नया करने वाले हैं। ये शाहिद और विशाल की साथ में चौथी फिल्म है। इससे पहले दोनों कमीने, हैदर और रंगून साथ में कर चुके हैं। इनमें कमीने और हैदर बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थीं और क्रिटिक्स ने भी इन्हें जमकर सराहा था। वहीं पिछली तीनों ही फिल्मों में विशाल भारद्वाज ने शाहिद को एक बिल्कुल ही अलग अंदाज में दिखाया है। ऐसा लगता है कि एक बार फिर विशाल, कुछ अलग अंदाज में ही शाहिद को पेश करने वाले हैं।

ओ रोमियो का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। जबकि फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में एक दमदार स्टारकास्ट नजर आएगी, जो लोगों का ध्यान खींच रही है। इस भारी भरकम स्टारकास्ट में शाहिद कपूर के अलावा नाना पाटेकर, तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी, अरुणा ईरानी और फरीदा जलाल जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। फिलहाल अभी तक फिल्म की कहानी के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। अब दर्शकों को 13 फरवरी का इंतजार है, जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अभिनेत्री, मॉडल, लेखक और फिल्म निर्माता हैं नताली बर्न, जिन्होंने टॉक्सिक के टीजर में मचाया तहलका?

सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिकरू ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन–अप्स 19 मार्च को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का टीजर जारी हो चुका है जिसने आते ही सोशल मीडिया पर धूम

मचा दी। इस टीजर में यश प्रभावशाली गैंगस्टर राया का किरदार निभाते दिखे हैं। उनकी कुछ सेकंड की एंट्री देखकर लोगों ने उन्हें आने वाली सुनामी बता दिया है। अभिनेत्री नताली बर्न भी टीजर का हिस्सा हैं जिन्होंने छोटा सा बोल्ड सीन देकर लोगों का ध्यान खींच लिया है।

यूक्रेन के कीव में जन्मीं नताली गुस्लिस्टा उर्फ नताली, एक अमरीकी अभिनेत्री, मॉडल, लेखक और फिल्म निर्माता हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक उनकी उम्र का तो अंदाजा नहीं है, लेकिन हर साल 20 मई को वह अपना जन्मदिन मनाती हैं। पढ़ाई मॉस्को के बोल्शोई बैले स्कूल से हुई है। इसके अलावा वह लंदन के रॉयल बैले स्कूल की छात्रा भी रही हैं। नताली ने करियर की शुरुआत अभिनेत्री और मॉडलिंग से की। बाद में फिल्म निर्माता और लेखक भी बन गईं।

नताली ने कई चर्चित फिल्मों के जरिए हॉलीवुड इंडस्ट्री में पहचान बनाई है। उन्हें निम्फ (2014), द एक्सपेंडेबल्स 3 (2014), एक्सेलेरेशन (2019) और टिल डेथ डू अस पार्ट (2023) जैसी कई फिल्मों में देखा गया है। द लास्ट रिडेम्पशन (2024) में डायना की भूमिका के लिए उन्हें पूर्वी यूरोप फिल्म महोत्सव का सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला था। निजी जिंदगी की बात करें तो अक्टूबर, 2024 में नताली ने एमी पुरस्कार विजेता निर्देशक, टिमोथी वुडवर्ड जूनियर से शादी की थी।

कार्तिक आर्यन की नागजिला में नहीं होगी जल्दबाजी, करण जौहर रखेंगे फूंक–फूंककर कदम

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अभिनीत फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी 25 दिसंबर, 2025 को रिलीज हुई थी। धुरंधर की सफलता से बिना डरे निर्माता करण जौहर ने इसे सिनेमाघरों

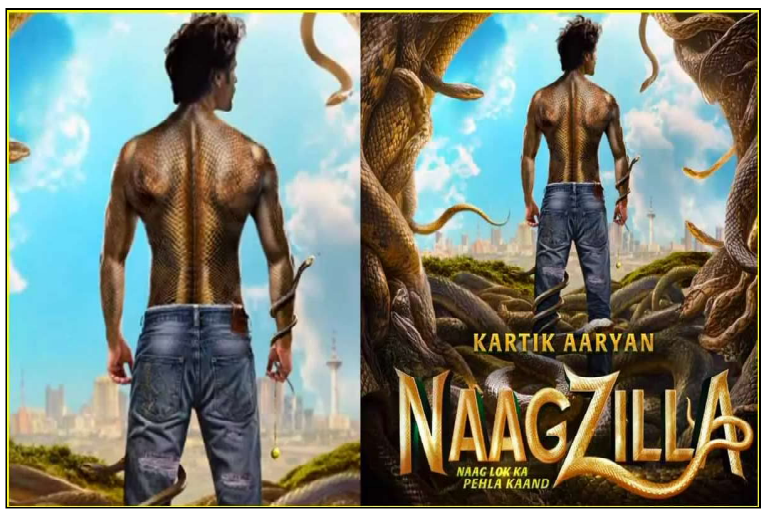

में उतारा था, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई। फिलहाल कार्तिक और करण अगली फिल्म नागजिला के लिए साथ जुटे हैं जिसकी घोषणा हो चुकी है। अपडेट है कि 14 अगस्त को रिलीज होने वाली यह फिल्म कुछ समय के लिए टल सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म निर्माता नागजिला की रिलीज तारीख को आगे खिसकाने पर विचार कर रहे हैं। ऐसी अटकलें हैं कि तू मेरी मैं तेरा... के बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन को देखते हुए यह कदम उठाया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नागजिला की शूटिंग अभी जारी है। एक सूत्र ने कहा, शूटिंग कुछ दिनों में पूरी होने की उम्मीद है। यह ऐसी फिल्म है जिसमें वीएफएक्स का भरपूर इस्तेमाल है। नतीजतन, पोस्ट–प्रोडक्शन में काफी समय लगेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, करण और कार्तिक दोनों ही पोस्ट प्रोडक्शन में जल्दबाजी नहीं करना चाहते। उन्हें पता है कि नागजिला बहुत खास फिल्म है। इसे सिनेमाघरों में उतारने से पहले ठीक तरह से तैयार करना जरूरी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निर्माता फिल्म के लिए नई रिलीज तारीख की तलाश कर रहे हैं। तारीख तय होने के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी। नागजिला का निर्देशन फुकरे फ्रैंचाइजी वाले मृगदीप सिंह लांबा कर रहे हैं।

शोभिता धुलिपाला कराएंगी अपराध की दुनिया से रूबरू, चिकाटीलो का पोस्टर जारी

ओटीटी प्लेटफॉर्म के दर्शकों को क्राइम–थ्रिलर फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कुछ साल में ऐसी बहुत सी फिल्में आई हैं, जिन्हें लोगों ने खूब पसंद किया। अब एक नई फिल्म चिकाटीलो दस्तक देने के लिए तैयार है जो क्राइम–ड्रामा से भरपूर होगी। फिल्म में शोभिता धुलिपाला मुख्य किरदार निभाते नजर आएंगी जिनकी पहली झलक सामने आ चुकी है। इसका निर्देशन शरण कोपिशेट्टी ने किया है, जबकि निर्माण सुरेश प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले किया गया है। अमेजन प्राइम वीडियो ने चिकाटीलो का ऐलान करते हुए लिखा, रात के छाने से पहले, संध्या आ रही है, एक जोरदार धमाके के लिए तैयार हो जाइए। फिल्म के पोस्टर में शोभिता का गंभीर लुक दिखाई दिया है। वह सच्ची अपराध कहानियों की पॉडकास्टर संध्या के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी हैदराबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित है जो जघन्य अपराधों की भयावह कड़ी का खुलासा करेगी। चिकाटीलो 23 जनवरी को तेलुगु, तमिल और हिंदी भाषा में रिलीज होगी।

पेंटिंग करते समय न करें ये 5 गलतियां, कला को कर सकती हैं प्रभावित

पेंटिंग एक कला है, जो न केवल घर की सुंदरता बढ़ाती है, बल्कि मन को भी सुकून देती है। हालांकि, पेंटिंग करते समय कुछ छोटी–छोटी गलतियां हो जाती हैं, जो आपके काम को बिगाड़ सकती हैं। इन गलतियों से बचकर आप अपनी पेंटिंग को बेहतर बना सकते हैं और लंबे समय तक उसका आनंद ले सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे बचना चाहिए।

सही रंग का चुनाव न करना

पेंटिंग करते समय सबसे जरूरी कदम सही रंग का चुनाव करना होता है। कई लोग बिना सोचे–समझे ही किसी भी रंग को चुन लेते हैं, जिससे बाद में उन्हें पछताना पड़ता है। सही रंग चुनने के लिए पहले अपने कमरे की रोशनी, आकार और फर्नीचर का ध्यान रखें। इसके अलावा कमरे की दीवारों पर अलग–अलग रंगों का परीक्षण करें ताकि आपको पता चले कि कौन सा रंग आपके कमरे के लिए बेहतर रहेगा।

बेस कोट का उपयोग न करना: पेंटिंग से पहले बेस कोट लगाना बहुत जरूरी होता है। कई लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे पेंटिंग जल्दी उतरने लगती है और उसका असर कम होता है। बेस कोट लगाने से दीवारों की सतह चिकनी हो जाती है और रंग अच्छे से चिपकता है। इसके अलावा यह रंग को समान रूप से फैलाने में मदद करता है। सही तरीके से बेस कोट लगाने पर आपकी पेंटिंग लंबे समय तक टिक सकती है।

ब्रश या रोलर का गलत उपयोग करना: पेंटिंग करते समय ब्रश या रोलर का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। कई लोग गलत आकार या प्रकार के ब्रश या रोलर का इस्तेमाल करते हैं, जिससे काम अधूरा लगता है या अच्छी तरह नहीं होता। सही आकार और प्रकार का ब्रश या रोलर चुनने पर आपकी पेंटिंग साफ–सुथरी और पेशेवर जैसी दिखेगी। इसके अलावा सही उपकरणों का उपयोग करने से आपको कम समय में बेहतर परिणाम मिलेंगे और आपका काम ज्यादा सुंदर दिखेगा।

किनारों पर ध्यान न देना

पेंटिंग करते समय अक्सर किनारों पर ध्यान नहीं दिया जाता, जिससे पूरा काम बेढंगा लगता है। किनारों को साफ–सुथरा बनाने के लिए टेप का इस्तेमाल करें ताकि रंग बाहर न फैले और दीवारें अच्छी दिखें। इसके अलावा टेप लगाने से आपको एक स्पष्ट और पेशेवर जैसा फिनिश मिलेगा, जिससे आपकी पेंटिंग और भी आकर्षक लगेगी। इस तरह से आपके कमरे की दीवारें साफ–सुथरी और सुंदर दिखेंगी, जिससे पूरा कमरा नया सा लगेगा।

सही मौसम का चुनाव न करना

पेंटिंग करते समय मौसम का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। बारिश या अत्यधिक गर्मी वाले दिनों में पेंटिंग करना सही नहीं होता क्योंकि इससे रंग जल्दी सूख नहीं पाता या खराब हो जाता है। सबसे अच्छा समय वसंत या पतझड़ का मौसम होता है जब नमी कम होती है और तापमान भी अनुकूल रहता है। इस तरह आप अपनी पेंटिंग को बेहतर बना सकते हैं और लंबे समय तक उसका आनंद ले सकते हैं।